सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" जीवन एक अवसर है,
श्रेष्ठ करने का, श्रेष्ठ बनने का
और श्रेष्ठ पाने का ...!!

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–216 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, मंगलवार 25 अगस्त 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

अपनी चमक बिखेर कर चला गया एक 'आफताब' – डॉ. आफताब रिजवी नहीं रहे

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, सांसद विजय बघेल सहित बड़ी संख्या में लोगों ने दी श्रद्धांजलि

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई के जाने-माने फिजिशियन और नेकदिल इंसान डॉ. सैयद आफताब रिजवी (78) का रविवार सुबह रायपुर के एक अस्पताल में निधन हो गया। उनके निधन की खबर से पूरे शहर में शोक की लहर है।

डॉ. रिजवी का पार्थिव शरीर नेहरू नगर स्थित निवास से हैदरगंज कब्रिस्तान ले जाया गया, जहां देर शाम उन्हें सुपुर्दे-ए-खाक किया गया। अंतिम विदाई में सांसद विजय बघेल सहित बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी शोक संदेश जारी किया। कब्रिस्तान में जनसैलाब उमड़ा, जो उनकी असली कमाई थी।

शिक्षाविद पिता के पुत्र थे डॉ. रिजवी

डॉ. रिजवी मशहूर शिक्षाविद सैयद अहमद सईद रिजवी के पुत्र थे, जो कभी राजकुमार कॉलेज के वाइस प्रिंसिपल रहे और बाद में बीएसपी सेक्टर-10 सीनियर सेकेंडरी स्कूल के संस्थापक प्राचार्य बने। डॉ. आफताब और उनके छोटे भाई डॉ. जावेद रिजवी की स्कूली शिक्षा राजकुमार कॉलेज में हुई।

सेक्टर-9 अस्पताल में लगाई थी पहली किडनी यूनिट

1975 में रायपुर मेडिकल कॉलेज से एमडी करने के बाद डॉ. रिजवी ने सेक्टर-9 अस्पताल में सेवा शुरू की। 15 जून 1980 को जब अस्पताल में पहली कृत्रिम किडनी इकाई (हीमोडायलिसिस यूनिट) शुरू हुई, तो उन्होंने इसे स्थापित करने में दिन-रात एक कर दिया। प्रशासनिक कारणों से 1998 में उन्होंने बीएसपी सेवा से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली।

सेवानिवृत्ति के बाद वे समाज के लिए और अधिक समर्पित हो गए। मौर्या टॉकीज के सामने इथिराज टावर और बाद में नेहरू नगर स्थित अपने

निवास पर वे अंतिम समय तक मरीज देखते रहे। हजारों गरीब मरीजों से उन्होंने कभी फीस नहीं ली और गरीब बच्चों की पढ़ाई में भी गुप्त रूप से मदद करते रहे।

उनके परिवार में तीन बेटियां और छोटे भाई डॉ. सैयद जावेद रिजवी हैं। 'आफताब' का अर्थ सूरज होता है और डॉ. रिजवी सही मायनों में इंसानियत के चमकते सूरज थे।

गौरतलब है कि डॉ. आफताब रिजवी के निधन की सूचना आते ही भिलाई बिरादरी में कल शोक की लहर छा गई थी। डॉ. आफताब रिजवी जनता के बीच बेहद लोकप्रिय थे और कमजोर वर्ग के लिए डॉ. रिजवी देवतुल्य थे।

(मो. जाकिर हुसैन के फेसबुक वाल से)

विशलेषण

UP चुनाव 2027 : आरक्षण, UGC और जातिगत जनगणना के चक्रव्यूह में फंसी BJP

आलोक तिवारी / नई दिल्ली-लखनऊ

2027 के विधानसभा चुनाव से पहले उत्तर प्रदेश में बीजेपी के सामने एक साथ तीन मोर्चों पर सियासी संकट खड़ा हो गया है – आरक्षण सुधार आंदोलन, UGC विवाद और जातिगत जनगणना। दो दशक बाद सवर्ण वोट बैंक की नाराजगी ने भगवा खेमे की रणनीति को सबसे बड़ी चुनौती दी है।

जंतर-मंतर से लखनऊ तक आरक्षण सुधार की आग

दिल्ली के जंतर-मंतर पर सामान्य वर्ग के युवाओं के आरक्षण सुधार आंदोलन ने राष्ट्रीय सुर्खियां बटोरीं। आंदोलन की आंच लखनऊ पहुंची तो डिप्टी सीएम बृजेश पाठक को छात्रों से मिलकर आश्वासन देना पड़ा कि मांग पत्र केंद्रीय नेतृत्व को भेजा गया है। यूपी में करीब 20% सवर्ण वोट बैंक BJP का कोर वोटर रहा है। इस आंदोलन ने उस समीकरण में दरार के संकेत दिए हैं।

UGC गाइडलाइंस : BJP के लिए 'कैच-22'

UGC की नई गाइडलाइंस को सवर्ण छात्रों ने भेदभावपूर्ण बताकर सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। बिहार की बांकीपुर और MP की दतिया उपचुनाव में हार के बाद BJP बैकफुट पर है। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार के संकेत तो दिए हैं, लेकिन पूरी तरह वापसी से SC/ST/OBC नाराजगी का खतरा है।

जातिगत जनगणना : OBC कॉलम पर सियासी बवाल

2026 की जनगणना को जाति आधारित कराने के गजट में SC/ST का स्पष्ट कॉलम है, पर OBC के लिए स्पष्ट प्रावधान नहीं। अखिलेश यादव ने इसे PDA के साथ 'छलावा' बताया, तो जयराम रमेश ने तेलंगाना-बिहार मॉडल की अनदेखी का आरोप लगाया।

NDA में भी दो फाड़

आरक्षण पर सहयोगी भी अलग राह पर हैं। चिराग पासवान ने कहा – आरक्षण खैरात नहीं, संवैधानिक अधिकार है। रामदास अठावले ने तो आरक्षण खत्म करने की बात करने वालों पर NSA लगाने की मांग कर दी।

नैरेटिव की जंग : अयोध्या में मछली विवाद

UP कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के अयोध्या दौरे पर मछली परोसे जाने के दावे पर CM योगी ने इसे सनातन आस्था का अपमान बताया, जबकि कांग्रेस ने इसे ध्यान भटकाने की रणनीति कहा।

सन 2022 तक गैर-यादव OBC और गैर-जाटव दलित + सवर्ण के समीकरण से BJP ने जीत हासिल की थी। अब सवर्ण आंदोलन और OBC जनगणना की मांग के बीच संतुलन साधना योगी-मोदी के लिए 2027 की सबसे बड़ी परीक्षा है।

सफाई के नाम पर करोड़ों की सफाई! निगम में निविदाओं का खेल?

34 करोड़ का प्राक्कलन, 36 करोड़ की निविदा और फिर 68 करोड़ तक का खर्च! मुख्यमंत्री तक पहुंची शिकायत, अधिकारियों की भूमिका पर गंभीर सवाल

नई दृष्टिबिंदु विशेष संवाददाता / भिलाई

नई दृष्टि बिंदु की पड़ताल जारी

नई दृष्टि बिंदु इस पूरे मामले से जुड़े दस्तावेजों के आधार पर आगे भी कई अहम तथ्यों और बिंदुओं का खुलासा करेगा। सफाई निविदा, अतिरिक्त स्वीकृतियां, दरों में अंतर और एढक-एरख भुगतान से जुड़े दस्तावेजों की पड़ताल के बाद सामने आने वाले तथ्यों को क्रमवार प्रकाशित किया जाएगा।

नगर पालिक निगम भिलाई की सफाई व्यवस्था अब सिर्फ कचरे और गंदगी का मामला नहीं रह गई है। सफाई के नाम पर खर्च हो रही करोड़ों रुपये की सरकारी राशि, लगातार बढ़ती निविदा लागत और अतिरिक्त वित्तीय स्वीकृतियों ने निगम की पूरी व्यवस्था को सवालों के घेरे में ला दिया है। वर्ष 2021 से 2025 तक सफाई एवं डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण के कार्यों को लेकर मुख्यमंत्री के समक्ष पहुंची विस्तृत शिकायत में निविदा प्रक्रिया से लेकर भुगतान तक गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगाए गए हैं।

शिकायत में दस्तावेजों और आंकड़ों का हवाला देते हुए आरोप लगाया गया है कि जिस काम का प्राक्कलन करीब 34.09 करोड़ रुपये था, उसकी स्वीकृत निविदा करीब 36.55 करोड़ रुपये तक पहुंची और बाद में अतिरिक्त स्वीकृतियों के जरिए यह राशि बढ़ते-बढ़ते करीब 68 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। सवाल यह है कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि सफाई का वही काम निगम के खजाने पर लगातार भारी पड़ता गया?

72.59 प्रतिशत ज्यादा दर पर निविदा, फिर भी आगे बढ़ी प्रक्रिया

शिकायत में वर्ष 2024-25 की सफाई निविदा को लेकर विशेष रूप से गंभीर सवाल उठाए गए हैं। इसमें सफाई कार्य का अनुमानित मूल्य करीब 36.49 करोड़ रुपये बताया गया है, जबकि निविदाकार द्वारा करीब 50.28 करोड़ रुपये की राशि प्रस्तुत किए जाने का उल्लेख है। शिकायतकर्ताओं ने इसे अनुमानित राशि से करीब 72.59 प्रतिशत अधिक बताते हुए निविदा प्रक्रिया पर सवाल खड़े किए हैं।

यह सवाल सिर्फ ठेकेदार द्वारा लगाई गई दर का नहीं है। सवाल यह है कि इतनी बड़ी दर सामने आने के बाद निगम के जिम्मेदार अधिकारियों ने उसका परीक्षण किस आधार पर किया और सार्वजनिक धन पर इतनी बड़ी अतिरिक्त लागत का बोझ क्यों आया?

एक निविदा निरस्त, दूसरी में बढ़ी दर—आखिर क्यों?

शिकायत में वर्ष 2021-22 के जोन क्रमांक-4 के सफाई एवं डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण कार्य का भी उल्लेख है। शिकायत के अनुसार पहली निविदा न्यूनतम दर से 10 प्रतिशत अधिक होने के कारण निरस्त की गई, लेकिन बाद की निविदा में करीब 4.13 करोड़ रुपये की दर स्वीकार की गई। जोन-3 के एक अन्य कार्य को लेकर भी इसी तरह निविदा प्रक्रिया और दरों पर सवाल उठाए गए हैं। शिकायतकर्ताओं ने अलग-अलग कार्यों की दरों में अंतर के आधार पर करीब 1.53 करोड़ रुपये की कथित वित्तीय अनियमितता का आरोप लगाया है।

नियम बदले या किसी को फायदा पहुंचाने का रास्ता बना?

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कुछ निविदाओं में मूल नियम-शर्तों में बाद में बदलाव किए गए तथा पात्रता संबंधी शर्तों के आधार पर पहले से प्रक्रिया में शामिल कुछ निविदाकारों को अपात्र ठहराया गया।

शिकायतकर्ताओं ने इसे निविदा प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा के खिलाफ बताते हुए पूरे मामले की जांच की मांग की है। इसके अलावा सफाई वाहनों में GPS, वाहन बीमा, रोड स्वीपिंग, कर्मचारियों की संख्या, ESIC-PF भुगतान और वार्डवार सफाई व्यवस्था जैसी शर्तों के वास्तविक पालन पर भी सवाल उठाए गए हैं। EPF-ESIC पर पहले भी उठे थे सवाल, जांच में गड़बड़ी के बाद जमा करनी पड़ी थी पूरी राशि!

सफाई निविदा में EPF और ESIC का मुद्दा भी अब सबसे गंभीर सवालों में शामिल हो गया है। शिकायतकर्ताओं के अनुसार वित्तीय वर्ष 2021-22 में भी सफाई संबंधी निविदा कार्य में EPF और ESIC को लेकर गंभीर आरोप सामने आए थे। शिकायत के अनुसार मामले की जांच के बाद गड़बड़ी सामने आने पर संबंधित निविदाकार को आनन-फानन में EPF और ESIC की पूरी राशि जमा करनी पड़ी थी।

शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि पुराने मामले में गड़बड़ी सामने आने के बावजूद वर्तमान सफाई निविदा में भी EPF और ESIC के दस्तावेजों को लेकर गंभीर सवाल बने हुए हैं। वर्तमान में संबंधित निविदाकार द्वारा EPF और ESIC से संबंधित सिर्फ चालान की सत्यापित प्रतियां जमा कर भुगतान प्राप्त किए जाने की शिकायत की गई है। यहीं से एक बड़ा सवाल खड़ा होता है—जो चालान निगम के समक्ष प्रस्तुत किए जा रहे हैं, वे वास्तव में भिलाई निगम के सफाई कार्य में लगे कामगारों के हैं या किसी अन्य शहर अथवा किसी अन्य कार्य में लगे श्रमिकों के?

शिकायतकर्ता ने इस बिंदु की विशेष एवं दस्तावेजी जांच की मांग की है। उनका कहना है कि केवल चालान की सत्यापित प्रति को आधार मानने के बजाय संबंधित कामगारों की सूची, उपस्थिति, वेतन भुगतान और EPF-ESIC में जमा राशि का मिलान निगम के सफाई कार्य से कराया जाना चाहिए। यानी मामला सिर्फ कागज पर चालान जमा होने का नहीं, बल्कि यह पता लगाने का है कि जिन मजदूरों के नाम पर EPF और ESIC जमा बताया जा रहा है, वे वास्तव में भिलाई निगम की सफाई व्यवस्था में काम कर भी रहे हैं या नहीं।

स्वीकृति खत्म हुई तो फिर बढ़ती गई रकम!

शिकायत का एक और गंभीर हिस्सा अतिरिक्त वित्तीय स्वीकृतियों को लेकर है। शिकायतकर्ताओं के अनुसार स्वीकृत राशि समाप्त होने के बाद भी सफाई कार्य की अवधि और राशि बढ़ाने के लिए अतिरिक्त स्वीकृतियां दी गईं। शिकायत में वर्ष 2023-24 के दौरान करीब 20.28 करोड़ रुपये की अतिरिक्त वित्तीय स्वीकृति तथा करीब 11.09 करोड़ रुपये की एक अन्य अतिरिक्त स्वीकृति का उल्लेख किया गया है। अब सवाल यह है कि जब मूल स्वीकृति में काम पूरा नहीं हुआ या राशि कम पड़ी, तो जिम्मेदारी तय करने के बजाय बार-बार अतिरिक्त राशि की स्वीकृति क्यों दी गई?

करोड़ों का खेल या महज प्रशासनिक प्रक्रिया? जांच से खुलेगा राज

शिकायतकर्ताओं ने वर्ष 2021 से 2025 तक सफाई एवं डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण से जुड़े सभी प्राक्कलन, निविदाएं, तकनीकी एवं वित्तीय स्वीकृतियां, अतिरिक्त स्वीकृतियां, भुगतान, ठेकेदारों की पात्रता, EPF-ESIC भुगतान और कार्य की वास्तविक स्थिति की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। साथ ही अधिकारियों, कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों और संबंधित ठेकेदारों की भूमिका की भी जांच की मांग की गई है। आरोप सही हैं या नहीं, इसका अंतिम फैसला जांच के बाद ही होगा। लेकिन शिकायत के साथ प्रस्तुत किए गए आंकड़ों और दस्तावेजों ने निगम की सफाई व्यवस्था के साथ-साथ उसके वित्तीय प्रबंधन पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अब फाइल खुलेगी या मामला दबेगा?

नगर निगम में सफाई के नाम पर खर्च होने वाली राशि सीधे जनता के टैक्स और सरकारी खजाने से जुड़ी है। ऐसे में सवाल सिर्फ यह नहीं कि कितने करोड़ खर्च हुए, बल्कि सवाल यह भी है कि इन करोड़ों के बदले जमीन पर कितनी सफाई हुई और कागजों पर कितनी? यदि शिकायत में लगाए गए आरोप दस्तावेजी जांच में सही पाए जाते हैं तो मामला महज प्रशासनिक लापरवाही तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सार्वजनिक धन के उपयोग, निविदा प्रक्रिया और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही का गंभीर मामला बन सकता है।

हेमंत निषाद का कहना—एक-एक रुपये का हिसाब सामने आए

पूर्व पार्षद एवं शिकायतकर्ता हेमंत निषाद ने कहा कि सफाई व्यवस्था के नाम पर निगम की करोड़ों रुपये की राशि खर्च की गई है, लेकिन निविदा प्रक्रिया, अतिरिक्त स्वीकृतियों और EPF-ESIC भुगतान को लेकर गंभीर सवाल हैं। मुख्यमंत्री के समक्ष दस्तावेजों के साथ शिकायत की गई है। हमारी मांग किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच की है। जांच में जो भी दोषी मिले, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो और सरकारी राशि के एक-एक रुपये का हिसाब जनता के सामने आना चाहिए।

पिछले मामले में EPF-ESIC को लेकर गड़बड़ी के आरोप और उसके बाद राशि जमा किए जाने की घटना की पृष्ठभूमि में वर्तमान निविदा में भी ऐसी ही किसी अनियमितता की आशंका को लेकर शिकायतकर्ता ने जांच को बेहद जरूरी बताया है। इस मामले में भाजपा प्रदेश सह-संयोजक, नगरीय निकाय प्रकोष्ठ व पूर्व नेता प्रतिपक्ष संजय जे. दानी और पूर्व पार्षद हेमंत निषाद ने अलग-अलग शिकायत कर जांच की मांग उठाई है।

भिलाई में सावन का सैलाब : विधायक देवेंद्र यादव की कांवड़ यात्रा में उमड़े हजारों की संख्या में शिवभक्त

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सावन के पावन अवसर पर भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी भव्य कांवड़ यात्रा निकाली। शिवनाथ नदी से देवबलौदा के प्राचीन शिव मंदिर तक निकली इस यात्रा में भिलाई-दुर्ग सहित हजारों श्रद्धालु शामिल हुए।

यात्रा की शुरूआत दुर्ग स्थित शिवनाथ नदी में स्नान और जलाभिषेक से हुई। विधायक देवेंद्र यादव कांवड़ में पवित्र जल लेकर पैदल देवबलौदा के लिए रवाना हुए। मार्ग में नागरिकों ने जगह-जगह उनका स्वागत किया। देवबलौदा पहुंचकर विधायक ने सपत्नीक डॉ. श्रुतिका ताम्रकार यादव के साथ भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक, महामृत्युंजय जाप और विशेष पूजा-अर्चना की। डीजे पर भक्ति गीत, आकर्षक झांकियों और 'बम-बम भोले' के जयकारों से पूरा मार्ग भक्तिमय रहा। विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि कांवड़ यात्रा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आस्था और भाईचारे का पर्व है।

नीट काउंसलिंग में सीट अलॉटमेंट से पहले दस्तावेजों की गहन जांच हो : एसएफआई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) ने नीट काउंसलिंग में सीट अलॉटमेंट से पहले सभी दस्तावेजों के गहन पुनरीक्षण की मांग की है। जिलाध्यक्ष गर्व गभने, सचिव हर्ष संघाणी और उपाध्यक्ष अल्पिका कन्नौजे ने संयुक्त विज्ञप्ति में कहा कि विशेषकर छत्तीसगढ़ स्टेट कोटा के लिए जाति प्रमाण पत्र, क्रीमीलेयर और मूल निवासी प्रमाण पत्रों की सघन जांच जरूरी है। छत्तीसगढ़ में फर्जी जाति और निवास प्रमाण पत्र के मामले लगातार सामने आ रहे हैं।

एसएफआई ने कहा कि हजारों अभ्यर्थियों की 10वीं-12वीं की अंकसूची दूसरे राज्य की है, फिर भी जुगाड़ से मूल निवास प्रमाण पत्र बनवा लिया गया है। स्टेट कोटा की सीटें केवल छत्तीसगढ़ के स्कूलों से 10वीं-12वीं पास अभ्यर्थियों को ही मिलनी चाहिए। संगठन ने मांग की कि राज्य सरकार पारदर्शिता के साथ दस्तावेजों का पुनरीक्षण कराए ताकि छत्तीसगढ़ के छात्र-छात्राओं का हक न मारा जाए।

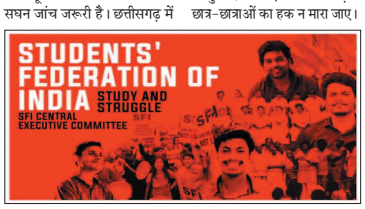

भिलाई श्रमिक सभा यूनियन ने पूरी दमदारी के साथ रखा ठेका श्रमिकों का पक्ष

भिलाई इस्पात संयंत्र में नई श्रम संहिताओं और श्रमिक कल्याण पर जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र में नई श्रम संहिताओं एवं श्रमिक कल्याण पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान एचएमएस यूनियन से संबद्ध भिलाई श्रमिक सभा ने पूरी दमदारी के साथ ठेका श्रमिकों का पक्ष रखा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विजय बघेल सांसद दुर्ग थे। विशिष्ट अतिथि श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की त्रिसदस्यीय टीम जिसका नेतृत्व डॉ. पीके जेना निदेशक (श्रम सुधार) श्रम एवं रोजगार मंत्रालय संजय कुमार तिवारी अपर सचिव एलआरसी तथा ओ.पी. सिंह श्रम कल्याण आयुक्त मुख्यालय पीएमयूएलआरसी बी. सी. नायक उप श्रमायुक्त (केंद्रीय) अखिलेश राय क्षेत्रीय श्रमायुक्त (केंद्रीय) पी. के. दीक्षित सहायक श्रमायुक्त (केंद्रीय) गौरव डोगरा ईपीएफओ एनके धीरेन्द्र पटनायक उप निदेशक ईएसआईसी मनीष कुंजाम उप निदेशक औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा श्रीमती पायल शर्मा सहायक श्रमायुक्त दुर्ग के साथ ही अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत और दीप प्रज्वलन से हुआ। स्वागत उद्बोधन संजय द्विवेदी महाप्रबंधक प्रभारी मानव संसाधन ने दिया। कार्यपालक निदेशक राघघाट अरुण कुमार ने उपस्थित जनों को संबोधित किया। डॉ पीके जेना ने संक्षेप में चारों कानून के तुलनात्मक अध्ययन को समझाया। विभिन्न यूनियन के प्रतिनिधियों द्वारा अपने प्रश्न कमेटी के समक्ष रखे गए। उपस्थित कर्मचारियों ने भी अपनी जिज्ञासा व्यक्त

की और कमेटी द्वारा यथासंभव सभी प्रश्नों का जवाब देने का प्रयास किया गया। इसी कार्यक्रम में भिलाई श्रमिक सभा यूनियन (एचएमएस) से भिलाई श्रमिक सभा के महासचिव डीके सिंह और उपमहासचिव अनिल कुमार जैन, उपस्थित रहे।

महासचिव डीके सिंह ने अपनी बात रखते हुए कहा कि जो भी कानून बने उसे धरातल पर लागू करवाया जाना सबसे ज्यादा जरूरी है। जो मिनिमम वेतन तय हो वो श्रमिकों के जेब में जाने के बाद वापस न निकले ये सबसे ज्यादा जरूरी है। आज भी ठेकेदार अपनी मनमानी कर श्रमिकों का शोषण कर रहे हैं। जो भी ठेका श्रमिक अपने ठेकेदार की शिकायत यूनियन या प्रबंधन तक पहुंचाता है, उसे ठेकेदार काम से निकालने कुछ भी गलत आरोप लगा गेटपास छीन लेने की धमकी देते हैं। इसकी जानकारी प्रबंधन तक पहुंचाने पर वो भी अपनी मजबूरी बताते हैं कि काम पर रखना और निकालना ठेकेदार के ही अधिकार क्षेत्र में है।

इस स्थिति में मजदूर कहां जाए, इस पर श्रम कल्याण आयुक्त (मुख्यालय) पीएमयू,एलआरसी ओपी सिंह ने माना कि यह समस्या सिर्फ भिलाई इस्पात संयंत्र में ही नहीं पूरे देश में है। इस समस्या का समाधान सिर्फ यूनियन को मजबूत कर व श्रमिकों को एकजुट और जागरूक करने से ही संभव है। कार्यक्रम के अंत में राजीव कुमार महाप्रबंधक एचआर एवं सीएलसी ने सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया। उपस्थित सभी यूनियन के प्रतिनिधियों एवं कर्मचारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। आप सब के सहयोग से यह कार्यक्रम सफल हो पाया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री नवनीता चौहान सहायक प्रबंधक मानव संसाधन ने किया।

खास खबर

पाऊवारा में बिखरे छत्तीसगढ़ी संस्कृति के रंग, जनपद ट्रॉफी इतवारी चीला तिहार में धूम

नई दृष्टिबिंदु / उतई/पाऊवारा

ग्राम पाऊवारा के हाईस्कूल मैदान में जनपद ट्रॉफी इतवारी चीला तिहार 2026 का भव्य आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति और पारंपरिक खेलों को समर्पित आयोजन में ग्रामीण महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू और विशेष अतिथि भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव थे।

मुख्य अतिथि ताम्रध्वज साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ की कला-संस्कृति, बोली-भाखा को सहेजना और नई पीढ़ी तक पहुंचाना सराहनीय कार्य है। ऐसे आयोजन हमारी जड़ों को मजबूत करते हैं। विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि जो निरंतर लगा रहता है, वही सच्चा खिलाड़ी होता है। खेल अनुशासन और एकता सिखाते हैं।

इस दौरान फुगड़ी, कबड्डी, कुर्सी दौड़, नारियल फेंक, रस्साकसी, चीला सजावट, छत्तीसगढ़ी व्यंजन सजावट और डांस प्रतियोगिता हुई। महिलाओं के लिए पारंपरिक वेशभूषा का ड्रेस कोड रखा गया था। विजेताओं को अतिथियों ने पुरस्कृत किया। कार्यक्रम का संचालन जनपद पंचायत दुर्ग के उपाध्यक्ष राकेश हिरवानी ने किया। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र देशमुख, पाऊवारा सरपंच मीना यादव, कोकड़ी सरपंच युगल चंद्राकर, कोड़िया सरपंच खुमान निषाद, पूर्व सरपंच घनश्याम गजपाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

सांसद विजय बघेल ने श्रावण के अंतिम सोमवार को की भोलेनाथ की पूजा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

श्रावण मास के चतुर्थ और अंतिम सोमवार के पावन अवसर पर दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल ने भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना की। सांसद बघेल अपनी धर्मपत्नी रंजना बघेल और पुत्रवधू पल्लवी बघेल के साथ सेक्टर-5 स्थित श्री भद्रेश्वर महाकाल शिव मंदिर पहुंचे। पंडित विजय शंकर ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन कराया। सांसद परिवार ने शिवलिंग का अभिषेक कर देश-प्रदेश में सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर सांसद बघेल ने कहा कि श्रावण मास भगवान शिव की आराधना का पावन अवसर है। भगवान भोलेनाथ सभी पर कृपा बनाए रखें और हर परिवार में सुख-शांति का वास हो, यही प्रार्थना है।

ब्रह्माकुमारीज के रक्तदान महाअभियान में 192 यूनिट रक्तदान, आत्मिक चिंतन बना आकर्षण

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के समाज सेवा प्रभाग द्वारा पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की 19वीं पुण्य स्मृति एवं विश्व बंधुत्व दिवस पर आयोजित पांच दिवसीय रक्तदान महाअभियान के तहत सेक्टर-7 स्थित पीस ऑडिटोरियम एवं राजयोग भवन में शनिवार को रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में कुल 192 यूनिट रक्तदान हुआ। अभियान का संदेश "मानवता का करें कल्याण, आओ मिलकर करें रक्तदान" रहा।

आध्यात्मिक चिंतन के साथ रक्तदान

शिविर का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। शिविर में रक्तदान की अनूठी विधि आकर्षण का केंद्र रही, जहां रक्तदाताओं ने रक्तदान से पहले पांच मिनट परमात्मा की याद में मेडिटेशन कर आत्मिक ऊर्जा को बढ़ाया। मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद टेक्निकल

यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. अरुण अरोरा ने कहा कि यहां रक्तदान की सुंदर और अनूठी विधि देखने को मिली। सकारात्मक ऊर्जा के साथ दिया गया रक्त जरूरतमंद के स्वास्थ्य लाभ में सहायक बनेगा। कृष्णा पब्लिक स्कूल के चेयरमैन आनंद त्रिपाठी ने कहा कि यहां रक्त लेने वाले भी सुखी हैं, देने वाले भी सुखी हैं।

कार्यक्रम में पं. जवाहरलाल नेहरू अस्पताल सेक्टर-9 के डायरेक्टर सीएमओ इंचार्ज डॉ. उदय, ब्लड बैंक इंचार्ज राजीव शर्मा, जिला अस्पताल दुर्ग के सीएमएचओ डॉ. मनोज दानी, सिविल सर्जन डॉ. आशीष मिंज, नोडल अधिकारी डॉ. एस.आर. चुरेंद्र, एडिशनल एसपी सिटी शोभराज अग्रवाल, सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी, अपेक्स बैंक के एमडी कमल नारायण, समाजसेवी इंद्रजीत सिंह, सांसद विजय बघेल सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

अतिथियों ने रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। रक्तदाताओं के लिए सेल्फी जोन बनाया गया था और उन्हें ईश्वरीय सौगात एवं फलाहार प्रदान किया गया। भिलाई सेवाकेंद्र की निदेशिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी आशा दीदी ने सभी का आभार व्यक्त किया। संचालन वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी प्राची दीदी ने किया।

सुराना विधि कॉलेज में नवप्रवेशित विद्यार्थियों का कराया परिचय

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला शिक्षण समिति दुर्ग द्वारा संचालित सेठ रतनचंद सुराना विधि महाविद्यालय में सोमवार, 24 अगस्त 2026 को एल.एल.बी. एवं एल.एल.एम. में नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के लिए परिचय समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें विधि के क्षेत्र में उत्कृष्ट भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में सिविल प्रकरणों के वरिष्ठ अधिवक्ता हरेकृष्ण तिवारी ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित कीं। वहीं रियर एडमिरल जनरल (रि.) अतुल चंद्र तिवारी ने विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने के लिए प्रेरित किया।

दांडिक प्रकरणों के वरिष्ठ अधिवक्ता राज कुमार तिवारी ने विद्यार्थियों को गहन अध्ययन करते हुए निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयास करने की सीख दी। श्रम न्यायालय के अधिवक्ता बख्शीश खनूजा ने छात्र-छात्राओं का मनोबल बढ़ाते हुए विधि विषय के व्यापक अध्ययन पर जोर दिया।

जिला शिक्षण समिति के अध्यक्ष प्रवीण चंद्र तिवारी ने विद्यार्थियों को महाविद्यालय में अनुशासन बनाए रखने की बात कही। शासी निकाय के सदस्य कुलवंत भाटिया ने सभी नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य अखिलेश अग्रवाल ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों का हार्दिक अभिनंदन करते हुए महाविद्यालय के इतिहास एवं उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह विधि महाविद्यालय वर्ष 1962 से विधि शिक्षा के क्षेत्र में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा है।

इस अवसर पर डॉ. पूजा मल्होत्रा, डॉ. उमाकांति सिंह, सहायक प्राध्यापक श्रीमती सीमा शर्मा, मनोज मिश्रा, अब्दुल्ला कुरैशी, श्रीमती ओजस्वी चोपरा, श्रीमती नेहा नागवानी सहित महाविद्यालय का समस्त अशैक्षणिक स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम का सफल संचालन महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक संतोष देवांगन ने किया।

किसी के उपकार को अधिकार मत समझो : राष्ट्रसंत डॉ. मणिभद्र मुनि

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक श्रमण संघ के तत्वावधान में जय आनंद मधुकर रतन भवन, बांधा तालाब, दुर्ग में मासक्षमण तपस्वियों की अनुमोदना एवं सम्मान में मंगलगान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम राष्ट्रसंत डॉ. मणिभद्र मुनि जी महाराज एवं साध्वी लक्ष्मी जी म.सा. के पावन सानिध्य में सम्पन्न हुआ।

धर्मसभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रसंत डॉ. मणिभद्र मुनि ने कहा कि किसी के उपकार को अपना अधिकार मत समझो। सहयोग और उपकार के प्रति कृतज्ञता का भाव रखना चाहिए। उपकार को अधिकार मान लेना अहंकार और अपेक्षा को जन्म देता है। उन्होंने कहा कि जैन दर्शन संयम, तप, त्याग और आत्मचिंतन का मार्ग दिखाता है। तपस्या केवल शरीर को कष्ट देना नहीं, आत्मा को शुद्ध करने की साधना है।

कार्यक्रम में मासक्षमण जैसी कठिन तपस्या करने वाले तपस्वियों की भावपूर्ण अनुमोदना की गई। मासक्षमण जैन धर्म की अत्यंत कठिन साधना है जिसमें लगातार एक माह तक उपवास कर आत्मशुद्धि की जाती है। भवन में टीकाराम परांजुली, श्रीमती मंजू संचेती, श्रीमती खुशबू बाधमार, कुमारी भूमिका पारख सहित अनेक तपस्वियों की तपस्या गतिमान है। उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं ने उनके उत्तम स्वास्थ्य और आध्यात्मिक उन्नति की कामना की। मप संघ महिला मंडल एवं जय आनंद मधुकर रतन पाठशाला के बच्चों ने भावपूर्ण सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम का संचालन रुचिका बाघमार ने किया। संयोजन में चंदा रुणवाल, लता छाजेड़, अंकिता संचेती, अरुणा रतनबोहरा, कविता रतनबोहरा, रोमा पारख सहित महिला मंडल की सभी सदस्यों का सहयोग रहा।

सियान महोत्सव का फाइनल स्मृति नगर में, बुजुर्गों ने दिखाया अपना हुनर

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सियान महोत्सव का फाइनल विवेकानंद भवन स्मृति नगर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पार्षद महेश वर्मा और समाजसेवी कन्हैया सोनी थे।

डांस प्रतियोगिता : 50 से 60 वर्ष वर्ग में त्रिलोकी साहू, 60 से 70 वर्ष में डॉ. पूर्णिमा शोभा बाजपेई और 70 से 80 वर्ष में माला बुलबुल विजेता रहीं। इंस्ट्रूमेंट में एम. जैन, सुरेश और दीपक टहलरामानी विजयी रहे।

सिंगिंग प्रतियोगिता : 50 से 60 वर्ग में तस्लीम खान, अलका तेज प्रताप और कल्पना सोनी, 60 से 70 वर्ग में सुधा कमल, चितरंजन कांत पटेल और सुधीर तथा 70 से 80 वर्ग में सुरेश, प्रदीप सूट और माधुरी विजयी रहे। रंगोली में माधुरी अग्रवाल, शोभा वाजपेई, नर्मदा धरे, सूर्य प्रभा मंडावसंकर, अर्चना मूल जी और आभा विजयी रहीं।

कुर्सी दौड़ : पुरुष वर्ग में सुधीर वैश्य, सत्येंद्र चड्ढा और प्रदीप गुप्ता, महिला वर्ग में ललिता श्रीवास, कांत जैन और सूर्य प्रभा तथा 75 वर्ष से ऊपर महिला वर्ग में दीप्ति सिंह, कांत पटेल और दीप्ति दास विजयी रहीं।

सबसे ज्यादा प्रतियोगिता जीतने पर मैन ऑफ द सियान सदन का पुरस्कार पुरुष वर्ग में भारत लाल मोगरे और महिला वर्ग में कल्पना सोनी को दिया गया, जो श्याम सिद्ध की डायरेक्टर सोनाली चक्रवर्ती द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन नम्रता सेन ने किया। निर्णायक डॉ. सविता, पिया भौमिक, जिया फरिश्ता और मनीष रहे। संयोजक राजीव चौबे, रोहन सिंह और ललित मोहन थे।

200 सीनियर सिटीजन ने लिया नशा मुक्ति का संकल्प

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-दुर्ग

'हुनर भिलाई का' समूह के तत्वावधान में आयोजित सियान महोत्सव में वर्तमान पीढ़ी को नशा मुक्त करने का संकल्प दिलाया गया। स्वयंसिद्धा की अध्यक्ष डॉ. सोनाली चक्रवर्ती ने 200 से अधिक सीनियर सिटीजन के साथ नशा मुक्ति का संकल्प लिया। इस दौरान सभी ने दुर्ग पुलिस द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान में सहयोग देने की बात कही।

आर्टकॉम हर आंगन एक पेड़ टीम ने स्कूल परिसर में किया वृक्षारोपण

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

पर्यावरण संरक्षण के प्रति निष्ठापूर्वक कार्य करते हुए आर्टकॉम हर आंगन एक पेड़ की टीम ने शासकीय पूर्व माध्यमिक एवं प्राथमिक शाला, वृंदा नगर, भिलाई के सुरक्षित कैंपस में वृक्षारोपण किया।

प्रत्येक रविवार की तरह इस रविवार को भी सुबह 9 बजे टीम अत्याधुनिक मशीन और पौध लेकर स्कूल प्रबंधन की मांग पर वृक्षारोपण के लिए पहुंची। रविवार और लगातार बारिश के बावजूद जागरूक स्कूली बच्चों, उनके अभिभावकों और स्कूल प्रबंधन से मधु शुक्ला, महेश नारायण, सुशील तिवारी, शंभू कुशवाहा, फुलेश्वरी यादव एवं अन्य ने टीम के साथ मिलकर पौधरोपण किया और उन्हें लोहे की जाली से संरक्षित भी किया।

इस दौरान टीम की वरिष्ठ सदस्य शारदा गुप्ता ने उपस्थित बच्चों, अभिभावकों एवं स्कूल प्रबंधन को पौधे को पेड़ बनने तक देखभाल करने, कहीं भी पेड़ काटते देख विरोध दर्ज करने

और पर्यावरण के प्रति समर्पित व जागरूक रहने की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर आर्टकॉम हर आंगन एक पेड़ टीम से संरक्षक करमजीत सिंह, गुरुनाम सिंह, मेघा कौर, कन्हैया सोनी, मदन सेन, बंटी नाहर, शारदा गुप्ता, रवीन्द्र देवांगन, अमिताभ भट्टाचार्य, पुष्पा भट्टाचार्य, सी पी सिंह, श्रीराम, संतोष जायसवाल, भास्कर तिवारी, सुभाष शर्मा सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय पेपर लीक मामला, प्रोफेसर सहित 6 आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय की बी.एस.सी. (कृषि) द्वितीय वर्ष की कीटशास्त्र (एजीसीएच 221) परीक्षा का प्रश्न पत्र लीक करने के मामले में रायपुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट और थाना तेलीबांधा की संयुक्त टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए घटना के 36 घंटे के भीतर मुख्य आरोपी प्रोफेसर सहित कुल 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस खुलासे के अनुसार, इस पूरे कांड का मास्टरमाइंड भारती एग्रीकल्चर कॉलेज, दुर्ग में पदस्थ प्रोफेसर योगेश सोनकेसरिया (38 वर्ष) है। आरोपी प्रोफेसर पिछले एक साल से रायपुर कृषि महाविद्यालय से उत्तर पुस्तिकाएं जमा करने और आगामी परीक्षाओं के प्रश्न पत्र ले जाने का काम कर रहा था। 17 अगस्त को आरोपी ने आगामी परीक्षाओं के प्रश्न पत्र प्राप्त किए। इसके बाद वह 20 अगस्त को होने वाली कीटशास्त्र परीक्षा के प्रश्न पत्र का लिफाफा चुपके से अपने घर ले गया। वहां उसने सुई और नुकीले औजार से लिफाफे में छोटा छेद किया और मोबाइल कैमरे से प्रश्न पत्र की वीडियो रिकॉर्डिंग कर ली। आरोपी ने यह लीक कंटेंट अपने ही कॉलेज के छात्र अजय नायक को 11,000 रुपये में बेचा, जिसके बाद यह प्रश्न पत्र अन्य छात्रों और सोशल मीडिया ग्रुप्स में वायरल हो गया।

100 से अधिक पुलिस टीमों ने खंगाले डिजिटल साक्ष्य

20 अगस्त की सुबह परीक्षा शुरू होने से ठीक पहले कवर्धा कृषि महाविद्यालय के ई-मेल और वरिष्ठ अधिकारियों को प्रश्न पत्र वायरल होने की

सूचना मिली। वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं परीक्षा प्रभारी डॉ. एन. आर. रंगारे की शिकायत पर थाना तेलीबांधा में अपराध क्रमांक 360/26 दर्ज किया गया। पुलिस आयुक्त डॉ. संजीव शुक्ला के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित तुकाराम कांबले के मार्गदर्शन तथा पुलिस उपायुक्त (क्राइम एवं साइबर) स्मृतिक राजनाला एवं पुलिस उपायुक्त (उत्तर जोन) तारकेश्वर पटेल की सतत मॉनिटरिंग में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना तेलीबांधा पुलिस की संयुक्त कार्यवाही के लिए 100 से अधिक पुलिस टीमों का गठन किया गया। रायपुर, दुर्ग, कबीरधाम और बिलासपुर में ताबड़तोड़ छापेमारी की गई। साइबर विंग ने व्हाट्सएप और सोशल मीडिया टाइमलाइन का सूक्ष्म विश्लेषण करते हुए दुर्ग निवासी अनुज मिंज को हिरासत में लिया, जिससे पूछताछ के बाद पूरे नेटवर्क का पदार्फाश हुआ।

जब्त सामग्री व कार्यवाही

पुलिस ने आरोपियों के पास से नगद राशि 11 हजार रूपए, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण 06 मोबाइल फोन, वीडियो रिकॉर्डिंग डिवाइस, केवल तार, मोबाइल कनेक्टर, अन्य सामग्रियों में सुई, सुजा और फेविकोल जब्त किया है। आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम, 2008 की धारा 4, 5, 10 तथा बीएनएस की धारा 316 के तहत मामला पंजीकृत किया गया है। प्रकरण में 02 अन्य आरोपी फिलहाल फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। आरोपियों में योगेश सोनकेसरिया (मुख्य आरोपी - प्रोफेसर) निवासी सिवनी (म.प्र.), हाल पता - चंदखुरी, दुर्ग, अजय नायक (छात्र) निवासी बलौदा बाजार, हाल पता - मीनाक्षी नगर, बोरसी, दुर्ग, त्रिदेव पटेल (छात्र) निवासी महासमुंद, हाल पता - आनंद विहार, दुर्ग, नितिन पाण्डेय (छात्र) निवासी बस्तर, हाल पता - मीनाक्षी नगर, बोरसी, दुर्ग, अनुज मिंज (छात्र) निवासी जशपुर, हाल पता - पोटिया चौक, दुर्ग और आदित्य साहू (छात्र) निवासी बालोद, हाल पता - मीनाक्षी नगर, बोरसी, दुर्ग शामिल हैं।

खास खबर

अब कक्षा 6वीं से 12वीं तक के विद्यार्थी पढ़ेंगे छत्तीसगढ़ की कला-संस्कृति

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ के स्कूली छात्रों को अब कक्षा 6वीं से 12वीं तक स्थानीय कला, संस्कृति और परंपराओं से जुड़े विशेष पाठ पढ़ाए जाएंगे। इसके लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने पहल शुरू की है। इस उद्देश्य से SCERT शंकर नगर रायपुर में 24 से 26 अगस्त तक त्रि-दिवसीय आवासीय कार्यशाला आयोजित की जा रही है। इसमें प्रदेशभर के साहित्यकार, संस्कृतिविद, शोधकर्ता और विषय-विशेषज्ञ आर्ट रिपोजिटरी तैयार कर रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप ऐसा करने वाला छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य बनने जा रहा है।

100 विषयों पर तैयार होगी सामग्री

कार्यशाला में लगभग 100 विषयों पर लेखन हो रहा है। प्रत्येक विषय पर 5 से 10 मिनट की लघु फिल्म की पटकथा भी तैयार की जाएगी। आर्ट रिपोजिटरी में गुरु घासीदास, शहीद वीर नारायण सिंह, तीजन बाई, गहिरा गुरु, शबरी माता सहित अनेक विभूतियों, सिरपुर, भोरमदेव, दंतेश्वरी, बम्लेश्वरी जैसे तीर्थ स्थलों, सतनाम पंथ, कबीर पंथ, घोटुल, मितान-बदना जैसी परंपराओं को शामिल किया जाएगा। इसके अलावा हरेली, नवाखाई, बस्तर दशहरा जैसे पर्व, डोकरा, टेराकोटा, बांस शिल्प, पंथी, राउत नाचा, पंडवानी जैसे लोकनृत्य, ठेठरी, फरा, चौसेला, चापड़ा चटनी जैसे पारंपरिक व्यंजन भी पाठ्य सामग्री का हिस्सा होंगे।

तरीघाट हाई स्कूल पहुंचे शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, विद्यार्थियों से किया संवाद

दुर्ग। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव दुर्ग जिले के पाटन विकासखंड के ग्राम तरीघाट स्थित शासकीय हाई और हायर सेकेंडरी स्कूल पहुंचे। उन्होंने विद्यालय परिसर का निरीक्षण कर शिक्षकों और विद्यार्थियों से संवाद किया। मंत्री ने कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों की उपस्थिति, पाठ्यक्रम की प्रगति और सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने बच्चों से उनकी पढ़ाई, रुचि और पसंदीदा विषयों पर बात की और नियमित स्कूल आने, अनुशासन बनाए रखने और मन लगाकर पढ़ने के लिए प्रेरित किया।

निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों ने प्रार्थना स्थल पर डोमशेड निर्माण और विज्ञान कक्षा के लिए सामग्री उपलब्ध कराने की मांग रखी। मंत्री ने मांगों को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए। मंत्री ने शिक्षकों से कहा कि बच्चों की शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें, प्रत्येक विद्यार्थी की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करें और पाठ्यक्रम समय पर पूरा करें। उन्होंने खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों में भागीदारी बढ़ाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार शासकीय विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण और सर्वसुलभ शिक्षा के लिए लगातार कदम उठा रही है।

नीट काउंसलिंग में सीट अलॉटमेंट से पहले दस्तावेजों की गहन जांच हो : एसएफआई

रायपुर। स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) ने नीट काउंसलिंग में सीट अलॉटमेंट से पहले सभी दस्तावेजों के गहन पुनरीक्षण की मांग की है। जिलाध्यक्ष गर्व गभने, सचिव हर्ष संघाणी और उपाध्यक्ष अल्पिका कन्नौजे ने संयुक्त विज्ञप्ति में कहा कि विशेषकर छत्तीसगढ़ स्टेट कोटा के लिए जाति प्रमाण पत्र, क्रीमीलेयर और मूल निवासी प्रमाण पत्रों की सघन जांच जरूरी है। छत्तीसगढ़ में फर्जी जाति और निवास प्रमाण पत्र के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। एसएफआई ने कहा कि हजारों अभ्यर्थियों की 10वीं-12वीं की अंकसूची दूसरे राज्य की है, फिर भी जुगाड़ से मूल निवास प्रमाण पत्र बनवा लिया गया है। स्टेट कोटा की सीटें केवल छत्तीसगढ़ के स्कूलों से 10वीं-12वीं पास अभ्यर्थियों को ही मिलनी चाहिए। संगठन ने मांग की कि राज्य सरकार पारदर्शिता के साथ दस्तावेजों का पुनरीक्षण कराए ताकि छत्तीसगढ़ के छात्र-छात्राओं का हक न मारा जाए।

दुर्ग में रात्रिकालीन विशेष चेकिंग : 446 वाहन चालकों पर कार्रवाई, 15 शराबी चालक पकड़े

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

यातायात पुलिस दुर्ग ने रात्रिकालीन विशेष चेकिंग अभियान में 446 वाहन चालकों पर कार्रवाई की है। जिले के 16 चिन्हित स्थानों पर शनिवार शाम 6 बजे से रात 12 बजे तक यह अभियान चलाया गया। पुलिस का कहना है कि लगातार कार्रवाई से दुर्घटना में होने वाली मौतों में कमी देखी जा रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग के निर्देशन में लगाए गए चेकिंग पॉइंट पर बिना हेलमेट, तीन सवारी, बिना नंबर प्लेट और शराब पीकर वाहन चलाने वालों की जांच की गई।

अभियान के दौरान -15 वाहन चालक शराब सेवन कर वाहन चलाते पाए गए, जिनके खिलाफ धारा 185 के तहत कार्रवाई की गई। 87 वाहन चालकों पर तीन सवारी बैठाकर वाहन चलाने पर कार्रवाई हुई। 15 बिना नंबर के वाहनों पर कार्रवाई की गई। 227 बिना हेलमेट वाहन चालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई। कुल 446 वाहनों पर कार्रवाई करते हुए नियमों का पालन करने की समझाइश भी दी गई। यातायात पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि दोपहिया चलाते समय हेलमेट जरूर पहनें, निर्धारित क्षमता से अधिक सवारी न बैठाएं और शराब पीकर वाहन बिल्कुल न चलाएं।

दुर्ग में मालवाहक वाहनों में सवारी ले जाने पर कार्रवाई, 10 वाहनों पर चालान

सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज कुम्हारी-दुर्ग क्षेत्र में मालवाहक वाहनों में सवारी बैठाकर ले जाने वाले 10 वाहनों पर कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस ने बताया कि मालवाहक वाहन केवल माल

परिवहन के लिए निर्धारित होते हैं। इनमें सवारी बैठाकर ले जाना सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत जोखिमपूर्ण है। अचानक ब्रेक लगने, वाहन अनियंत्रित होने या पलटने पर सवारियों के गंभीर रूप से घायल होने का खतरा रहता है।

चेकिंग के दौरान 10 मालवाहक वाहनों के चालकों पर नियमानुसार कार्रवाई की गई और उन्हें समझाइश दी गई कि मालवाहक वाहनों का उपयोग केवल माल परिवहन के लिए ही करें, अनधिकृत रूप से सवारी न बैठाएं। पुलिस ने बताया कि सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ऐसे वाहनों पर आगे भी लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

दुर्ग पुलिस का अड्डेबाजी और सार्वजनिक स्थानों पर शराबखोरी के खिलाफ अभियान

दुर्ग पुलिस ने जिले भर में अड्डेबाजी और सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन के खिलाफ विशेष अभियान चलाते हुए 82 प्रकरणों में

वैधानिक कार्रवाई की है। पुलिस ने सभी थाना और चौकी क्षेत्रों में बाजार, पार्क, चौक-चौराहों और संवेदनशील सार्वजनिक स्थानों पर सघन चेकिंग और पेट्रोलिंग की।

थानावार कार्रवाई

पुलगांव में सबसे ज्यादा 19 प्रकरण, कुम्हारी में 11, पुरानी भिलाई और नंदिनी नगर में 8-8, सुपेला में 7, खुसीपार में 6, जामुल में 5, पदमनाभपुर और पाटन में 4-4, नेवई, भिलाई नगर, धमधा और मोहन नगर में 2-2 तथा छावनी और नगपुरा चौकी में 1-1 प्रकरण दर्ज किया गया। कुल 82 लोगों के खिलाफ आबकारी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की गई।

दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन और अड्डेबाजी से दूर रहें और कहीं भी संदिग्ध गतिविधि दिखने पर तुरंत पुलिस को सूचना दें।

प्रदेश में बढ़ते अपराध कमजोर सरकार की निशानी : कांग्रेस

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में बढ़ते अपराध को लेकर कांग्रेस ने सरकार पर हमला बोला है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि प्रदेश में बढ़ते अपराध लचर और कमजोर सरकार की निशानी है।

शुक्ला ने कहा कि तीन साल पहले तक शांत और सुरक्षित रही राजधानी में 20 दिन में 12 मर्डर हो गए हैं। पिछले 24 घंटे में दो व्यक्तियों की अलग-अलग घटनाओं में चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। सरकार और पुलिस मूक दर्शक बनी हुई है।

उन्होंने कहा कि राजधानी में महिला को रास्ते में रोककर हत्या के बाद शव के साथ दुष्कर्म हुआ। पिछले हफ्ते एक महिला के साथ एक ही दिन में दो बार गैंगरेप हुआ। राजनांदगांव के चिखली में घर में घुसकर हत्या, सत्की में युवती को घर में घुसकर गोली मारना, कोरिया के सोनहत में चार लोगों को जिंदा जलाना, जैजैपुर में दो भाइयों को गोली मारना, पेंड्रा में सराफा कारोबारी की हत्या जैसी घटनाएं हो रही हैं। प्रदेश में कोई जिला नहीं जहां रोज हत्या, लूट, बलात्कार, चाकूबाजी न हो रही हो।

शुक्ला ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार बनने के बाद एक दर्जन से अधिक लोगों की गोली मारकर हत्या हुई है। राजधानी में 8 गोलीकांड हुए। रायपुर के हीरापुर में बम से हमला हुआ, बिरगांव में बम बनाया जा रहा था। रायपुर में कमिश्नरी सिस्टम पूरी तरह फेल हो गया है। मुख्यमंत्री को कोई मतलब नहीं, गृहमंत्री बयानबाजी में व्यस्त हैं।

फुंडहर गौठान में गौवंश की मौत पर हंगामा, जोहार पार्टी ने सौंपा ज्ञापन

रायपुर। फुंडहर गौठान में लगातार गौवंश की मौत और अव्यवस्था के विरोध में जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी ने नगर निगम जोन-9 अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि मानक से अधिक गौवंश एक ही स्थान पर रखे जा रहे हैं, जिससे चारा, पानी, साफ-सफाई और स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा गई है।

इसी कारण गायों के बीमार होने और मौत की घटनाएं बढ़ रही हैं। पार्टी की प्रमुख मांगें -गौवंश की संख्या मानक अनुसार सीमित की जाए। पर्याप्त चारा-पानी और स्वास्थ्य सुविधा सुनिश्चित हो। मौतों की निष्पक्ष जांच हो और दोषी समिति पर कार्रवाई हो और गौठान का नियमित निरीक्षण हो। पार्टी अध्यक्ष गोपी साहू और युवा क्रांति सेना अध्यक्ष टिकेश्वर निषाद ने प्रशासन से तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की मांग की।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बाबाघाट धाम में किया रुद्राभिषेक

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

लोरमी के श्री बाबाघाट धाम में आज पावन श्रावण मास के अंतिम सोमवार को आस्था और विकास का सुंदर संगम देखने को मिला। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने लोरमीवासियों के साथ परम पूज्य श्रीश्री 108 शिवानंद महाराज के पावन सानिध्य में भगवान भोलेनाथ का विधिवत रुद्राभिषेक किया। इस दौरान उन्होंने महादेव से सभी के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की।

रुद्राभिषेक के बाद श्री साव ने मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण एवं उन्नयन कार्यों का लोकार्पण किया। भंडारे में श्रद्धालुओं को प्रसाद भी वितरित किया। उन्होंने कहा कि ह्रविरासत भी, विकास भीह्न की सोच के साथ लोरमी की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का कार्य किया जा रहा है। सौंदर्यीकरण के बाद बाबाघाट का स्वरूप भव्य और आकर्षक हुआ है। श्रद्धालुओं को यहां स्वच्छ, शांत और भक्तिमय वातावरण मिलेगा।

श्री साव ने कहा कि श्री बाबाघाट धाम लोरमी का प्राचीन धार्मिक स्थल है। वर्षों से यहां साधु-संत पूजन, हवन एवं विश्राम करते रहे हैं। समय के साथ यह स्थल जीर्ण-शीर्ण हो गया था। अब इसके सौंदर्यीकरण और उन्नयन से नया स्वरूप मिला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने काशी कॉरिडोर और उज्जैन में महाकाल लोक कॉरिडोर का निर्माण किया। अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर बनाया गया। छत्तीसगढ़ में भी भोरमदेव कॉरिडोर एवं मां बम्लेश्वरी मंदिर में प्रसाद योजना के तहत कार्य होगा। वहीं रतनपुर धाम के विकास की दिशा में कार्य हो रहे हैं। इसी तरह लोरमी का बाबाघाट भी भव्य स्वरूप में विकसित किया गया है। श्री साव ने लोरमीवासियों से अपील की कि वे बाबाघाट के स्वरूप को सुंदर बनाए रखते हुए नियमित धार्मिक आयोजन करें।

नाम परिवर्तन

प्ररूप (एक)

नाबालिक पुत्री के नाम परिवर्तन के मामले में (अभिभावक/पालक द्वारा प्रमाणित)

मैं श्रीमती त्रिवेणी पति स्व. सदानंद सुपुत्री निलिमा (NILIMA) निवासी-ग्राम-सावनी, तह. पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.) में अपने नाबालिक सुपुत्री का नाम नीलम (NEELAM) (पुराना नाम) से बदलकर निलिमा (NILIMA) आत्मज सदानंद (SADANAND) (नया नाम) रख लिया है।

माता के हस्ताक्षर त्रिवेणी

उत्कृष्ट विवेचना के लिए दुर्ग पुलिस के 16 अधिकारी-कर्मचारी सम्मानित

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

अपराध विवेचना में उत्कृष्ट कार्य करने वाले दुर्ग पुलिस के 16 अधिकारी-कर्मचारियों को रविवार को कंट्रोल रूम भिलाई में सम्मानित किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने सभी को प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार प्रदान कर प्रोत्साहित किया। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार जिले के विभिन्न थानों और इकाइयों में पदस्थ अधिकारियों ने प्रकरणों की विवेचना में साक्ष्य संकलन, तथ्यों के विश्लेषण और विधिक प्रक्रिया के पालन में सराहनीय कार्य किया है। इसी को देखते हुए सम्मान समारोह आयोजित किया गया। एसएसपी ने कहा कि विवेचना में गुणवत्ता, निष्पक्षता और समयबद्ध निराकरण को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। भविष्य में भी इसी निष्ठा से कार्य जारी रखें।

सम्मानित अधिकारी-कर्मचारी

निरीक्षक बसंत बघेल - थाना प्रभारी जामगांव (आर), उप निरीक्षक पुरुषोत्तम कुर्रे - थाना प्रभारी कुम्हारी, उप निरीक्षक प्रमोद सिन्हा - थाना पुलगांव, उप निरीक्षक चितराम ठाकुर - थाना सुपेला, उप निरीक्षक सुरेन्द्र नारम - थाना बोरी, उप निरीक्षक श्रीराम पेण्ड्रो - थाना उतई, उप निरीक्षक दरबारी राम तोरम - यातायात, उप निरीक्षक मनीष बाजपेई - थाना पद्मनाभपुर, सहायक उप निरीक्षक सुभाष कोसुर - थाना कुम्हारी, सहायक उप निरीक्षक रामकृष्ण तिवारी - थाना दुर्ग, सहायक उप निरीक्षक लखन लाल साहू - एसीसीयू दुर्ग, सहायक उप निरीक्षक मुरलीधर कश्यप - वैशाली नगर, सहायक उप निरीक्षक शशिकला साहू - वैशाली नगर, सहायक उप निरीक्षक इतवारी राम डहरे - छावनी, सहायक उप निरीक्षक रामकृष्ण तिवारी - थाना दुर्ग, सहायक उप निरीक्षक जितेन्द्र चंद्राकर - खंड दुर्ग और सहायक उप निरीक्षक मीरा वर्मा - प्रभारी रक्षा टीम शामिल हैं।

भाजपा के कुशासन में भ्रष्टाचार ही विकास है : प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेश में सड़कों की बदहाल स्थिति को लेकर कांग्रेस ने साय सरकार पर बड़ा हमला बोला है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा के कुशासन में केवल भ्रष्टाचार का ही विकास हुआ है।

बैज ने कहा कि प्रदेश में सड़कों को विकास की धमनी कहा जाता है, लेकिन सरकार नई सड़कें बना नहीं पा रही और पुरानी सड़कों की मरम्मत भी बंद है। आधा कार्यकाल बीतने के बाद भी सरकार केवल मंजूरी और स्वीकृति के फर्जी दावों से आगे नहीं बढ़ पाई है। शहरों से लेकर गांव तक सड़कों के गड्ढे तालाब बन चुके हैं, नए पुल-पुलियों के स्लैब गिर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि ढाई साल में ढहऊको हजारों करोड़ का बजट दिया गया, लेकिन सड़कें बदहाल हैं। ढहऊमंत्री के गृह जिले मुंगेली के अमर टापू धाम में साढ़े चार करोड़ से बन रहे पुल का स्लैब पहली ढलाई में गिर गया। गरियाबंद में कोसुमबुड़ा पुल टूटने से 10 से ज्यादा गांवों का संपर्क कटा है। सूरजपुर के सुखदेवपुर नाला में टूटी पुलिया से बच्चे जान जोखिम में डालकर स्कूल जा रहे हैं।

बैज ने आरोप लगाया कि 50 लाख के टेंडर में दस्तावेजों में हेरफेर कर चहेते ठेकेदार को लाभ पहुंचाया गया। रायपुर-विशाखापट्नम भारतमाला सड़क निर्माण से पहले ही दरक चुकी है। राजनांदगांव के ग्राम बरगा में रेलवे के 26 करोड़ के ओवरब्रिज में एक महीने में दरारें आ गईं। उन्होंने कहा कि आम जनता टैक्स चुकाकर भी मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रही है, जबकि सरकार कमीशनखोरी में मस्त है।

संपादकीय

मिठास की खटास

इथेनॉल के महत्वाकांक्षी लक्ष्यों में चीनी का यथार्थ

हाल के दिनों में बाजारों में चीनी की कीमतों में अप्रत्याशित उछाल देखा गया है। वहीं चीनी की कालाबाजारी की आशंका के मद्देनजर सरकार ने इसकी बिक्री का नियमन भी किया है। साथ ही सरकार ने बिना टैक्स दस लाख टन कच्ची चीनी के आयात की इजाजत देने का भी फैसला किया है। लेकिन सरकार का यह फैसला शायद ही बढ़ती कीमतों का जवाब हो। निस्संदेह, यह परिदृश्य सरकार के लिये उसकी महत्वाकांक्षी इथेनॉल नीति की असलियत को समझने का एक अवसर भी है। पूरे देश में इथेनॉल मिश्रित ई-20 पेट्रोल की बिक्री व्यवस्था लागू करने का जश्न मनाने के दो साल से भी कम समय में सरकार अब दो परस्पर विरोधी जरूरतों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रही है।

पहला, देश की विदेशी मुद्रा बचाने के लिये कच्चे तेल के आयात को कम करना और दूसरा उपभोक्ताओं के लिये सस्ती चीनी उपलब्ध कराना। निस्संदेह,यह घटनाक्रम एक नीतिगत दुविधा को तो दशार्ता है कि जब एक ही फसल का इस्तेमाल खाद्य पदार्थ और ईंधन, दोनों के लिये किया जाता है, तो किसी एक लक्ष्य को दूसरे से अलग रखकर पूरा नहीं किया जा सकता है। निस्संदेह, ऐसे वक्त में जब खाड़ी संकट के चलते पूरी दुनिया में पेट्रोलियम पदार्थों का संकट व्याप्त रहा, इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल ने देश के नागरिकों व सरकार को बड़ी राहत दी है। इसमें दो राय नहीं कि निर्धारित समय सीमा से पहले ही बीस फीसदी इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल का लक्ष्य हासिल करके, भारत ने आयातित कच्चे तेल पर अपनी निर्भरता को कुछ कम जरूर किया है। वहीं दूसरी ओर सरकार की इस अभिनव पहल से जहां एक ओर चीनी मिलों को सहारा मिला है,वहीं गन्ना किसानों के लिये कमाई का एक अतिरिक्त जरिया भी बना है। निश्चित रूप से उस देश के लिये यह एक उपलब्धि ही कही जा सकती है जो अपनी जरूरतों के लिये 85 फीसदी कच्चे तेल का आयात करता रहा है। वह भी अपने देश में उपलब्ध वैकल्पिक संसाधनों के जरिये।

इसके बावजूद राजग सरकार की इस रचनात्मक पहल की कुछ बुनियादी खामियां भी हमारे सामने उजागर हुई हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि गन्ना भारत में सबसे ज्यादा पानी की खपत करने वाली फसलों में से एक है। वहीं दूसरी ओर इथेनॉल के उत्पादन के लिये गन्ने का इस्तेमाल ऐसे समय में शुरू हुआ है जब देश के प्रमुख गन्ना उत्पादक राज्यों में शुमार महाराष्ट्र और कर्नाटक में पैदावार खराब मौसम और गन्ने की फसल पर लगी बीमारियों के चलते कमजोर रही है। यह भी एक वजह है कि गन्ना आपूर्ति में आई कमी के चलते भी हाल के दिनों में चीनी की कीमतों में तेजी देखी गई है। जिसके चलते सरकार को चीनी का निर्यात रोकना पड़ा है।

इतना ही नहीं, सरकार को आसन्न त्योहारी मौसम को देखते हुए अब कच्ची चीनी के आयात को अनुमति देनी पड़ी है। निस्संदेह, इन परिस्थितियों के मद्देनजर यह नहीं कहा जा सकता कि देश में इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल का प्रयोग विफल हो गया है। बल्कि यह समझने की जरूरत है कि देश की कृषि संबंधी वास्तविकताओं और दुनिया की सबसे बड़ी आबादी की खाद्य जरूरतों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। आज जरूरत इस बात की है कि देश में एक लचीली जैव ईंधन रणनीति को तार्किक बनाया जाए। जिसे फसलों की स्थितियों और घरेलू खाद्य जरूरतों के अनुरूप ढाला जा सके।

निस्संदेह, फसलों के अवशेष और कृषि अपशिष्ट से निर्मित होने वाले इथेनॉल में अधिक निवेश करने से ही गन्ने पर निर्भरता को कम किया जा सकता है। इसके साथ ही जलवायु लक्ष्यों को भी बढ़ावा दिया जा सकेगा। भारत द्वारा ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत के लक्ष्य के रूप में कामयाबी एक सराहनीय उपलब्धि कही जा सकती है। निस्संदेह यह उपलब्धि खाद्य मुद्रास्फीति या जल के अंधाधुंध दोहन की कीमत पर नहीं हासिल की जा सकती। सही मायने में सबसे अच्छी नीति वही मानी जाएगी, जो ईंधन के टैंक और रसोई के भंडार पर्याप्त मात्रा में भरा रख सके।

न्यायाधीश भगवान नहीं, इंसान हैं—विनम्रता में ही न्याय की असली ताकत

सौरभ वार्ष्णेय

लोकतंत्र की सफलता केवल चुनावों, संसद और सरकार के कामकाज से नहीं मापी जाती। लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती इस बात से भी तय होती है कि देश का सामान्य नागरिक अपने अधिकारों और न्याय के लिए किस संस्था पर भरोसा करता है। जब शासन-प्रशासन से निराशा मिलती है, जब किसी व्यक्ति को लगता है कि उसकी बात कहीं नहीं सुनी जा रही, तब उसकी नजर अंततः अदालत की ओर जाती है। न्यायालय उसके लिए केवल एक संवैधानिक संस्था नहीं, बल्कि अंतिम उम्मीद का दरवाजा होता है। इसलिए न्यायपालिका की जिम्मेदारी असाधारण रूप से बड़ी है।

इसी संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश जस्टिस संजय करोल का विदाई समारोह में दिया गया संदेश विशेष महत्व रखता है। उन्होंने न्यायपालिका के मानवीय पक्ष पर जोर देते हुए कहा कि न्यायाधीश भगवान नहीं हैं और उनसे हर मामले में बिल्कुल सही फैसला देने की अपेक्षा नहीं की जानी चाहिए। पहली नजर में यह कथन सामान्य लग सकता है, लेकिन इसके भीतर भारतीय न्याय व्यवस्था के लिए एक गहरा संदेश छिपा है। न्यायाधीश का पद जितना शक्तिशाली है, उतना ही जिम्मेदारीपूर्ण भी है। इस शक्ति की वास्तविक गरिमा अचूक होने के दावे में नहीं, बल्कि विनम्रता, संवेदनशीलता और संविधान के प्रति निष्ठा में है। न्यायाधीश भी आखिर इंसान ही हैं। वे कानून, संविधान, उपलब्ध साक्ष्यों, दस्तावेजों और दोनों पक्षों की दलीलों के आधार पर निर्णय लेते हैं।

उनके सामने आने वाला प्रत्येक मुकदमा अपनी परिस्थितियों में अलग होता है। कई बार तथ्य जटिल होते हैं, साक्ष्य अधूरे होते हैं और कानून की व्याख्या को लेकर अलग-अलग दृष्टिकोण संभव होते हैं। ऐसे में न्यायाधीश सर्वोत्तम संभव निर्णय देने का प्रयास करता है, लेकिन मनुष्य होने के नाते उससे भूल की संभावना को पूरी तरह समाप्त नहीं किया जा सकता। यही मानवीय वास्तविकता है। इसलिए न्यायाधीशों को भगवान की तरह अचूक मानना न तो न्यायपालिका के हित में है और न ही लोकतंत्र के। न्यायाधीश के पद का सम्मान होना चाहिए, लेकिन व्यक्ति-पूजा नहीं। किसी न्यायाधीश के निर्णय पर प्रश्न उठाना और उसके तर्कों की संवैधानिक या कानूनी समीक्षा होना न्यायपालिका की कमजोरी नहीं, बल्कि स्वस्थ लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा है। न्यायपालिका की शक्ति किसी व्यक्ति की अचूकता से नहीं, बल्कि संस्था की स्वतंत्रता, निष्पक्षता, पारदर्शिता और संवैधानिक मयार्दा से आती है।

जस्टिस करोल के संदेश का दूसरा और शायद अधिक महत्वपूर्ण पक्ष न्याय के मानवीय चेहरे से जुड़ा है। अदालत में आने वाला व्यक्ति केवल एक याचिकाकर्ता, प्रतिवादी, अपीलकर्ता या अभियुक्त नहीं होता। वह एक जीवित इंसान होता है, जिसके पीछे एक परिवार, संघर्ष, उम्मीद और कभी-कभी पूरी जिंदगी की पीड़ा छिपी होती है। किसी मुकदमे के कागजों के पीछे किसी मां की चिंता हो सकती है, किसी पिता की आखिरी उम्मीद हो सकती है, किसी मजदूर की रोजी-रोटी का सवाल हो सकता है या किसी परिवार के भविष्य का संकट हो सकता है।

न्यायालय में खड़ा व्यक्ति अक्सर पहले ही किसी कठिन परिस्थिति से गुजर चुका होता है। यदि वह आर्थिक रूप से कमजोर है, कानूनी प्रक्रिया से अनजान है या सामाजिक रूप से प्रभावशाली नहीं है, तो अदालत की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। उसके लिए न्यायालय केवल कानून की किताबों और प्रक्रियाओं का संसार नहीं, बल्कि वह स्थान है जहां उसे उम्मीद होती है कि कम से कम उसकी बात निष्पक्ष रूप से सुनी जाएगी। यहीं से न्याय का मानवीय पक्ष सामने आता है। न्याय केवल यह नहीं है कि कानून की धारा क्या कहती है। न्याय यह भी है कि उस कानून को लागू करते समय परिस्थितियों, संवैधानिक मूल्यों और मानव गरिमा को कितना महत्व दिया गया। कानून का अक्षर आवश्यक है, लेकिन कानून की आत्मा को समझना भी उतना ही जरूरी है। यदि कानून की प्रक्रिया के बीच इंसान ही दिखाई देना बंद हो जाए, तो न्याय व्यवस्था अपने मूल उद्देश्य से भटक सकती है।

भारतीय संविधान नागरिक को समानता, स्वतंत्रता और गरिमा का अधिकार देता है। इसलिए न्यायालय का प्रत्येक निर्णय केवल दो पक्षों के बीच विवाद समाप्त करने का माध्यम नहीं होता, बल्कि वह संवैधानिक मूल्यों को व्यवहार में स्थापित करने का अवसर भी होता है। न्यायाधीश को इसी व्यापक दृष्टि के साथ अपने दायित्व का निर्वहन करना होता है। न्यायाधीश के लिए कानून का ज्ञान अनिवार्य है, लेकिन केवल कानून का ज्ञान पर्याप्त नहीं है। न्यायिक विवेक, धैर्य, संवेदनशीलता, निष्पक्षता और विनम्रता भी उतनी ही आवश्यक हैं। कठोर कानूनी भाषा और न्यायिक गरिमा के बीच मानवीय संवेदना के लिए स्थान बना रहना चाहिए। अदालत की गंभीरता का अर्थ यह नहीं कि वहां संवेदना के लिए कोई जगह न हो।

इसीलिए जस्टिस करोल द्वारा न्यायाधीशों में विनम्रता की आवश्यकता पर जोर देना बेहद महत्वपूर्ण है। विनम्रता का अर्थ निर्णय लेने की क्षमता में कमजोरी नहीं है। इसके विपरीत, अपनी सीमाओं को समझना ही वास्तविक शक्ति है। जो व्यक्ति यह मानता है कि उससे कभी गलती नहीं हो सकती, वह आत्ममुग्धता का शिकार हो सकता है। लेकिन जो यह समझता है कि उसे हर मामले में पूरी सावधानी, निष्पक्षता और ईमानदारी से सर्वोत्तम निर्णय देने का प्रयास करना है, वही न्याय की वास्तविक भावना के करीब पहुंचता है।

आज भारतीय न्याय व्यवस्था के सामने अनेक चुनौतियां हैं। अदालतों में लंबित मामलों का बोझ, न्यायिक प्रक्रिया की लंबाई, मुकदमों का खर्च, गरीब और सामान्य नागरिक के लिए कानूनी सहायता की कठिनाइयां तथा कानूनी प्रक्रिया की जटिलता ऐसे प्रश्न हैं, जिनका समाधान लगातार खोजा जाना चाहिए। आम नागरिक के लिए न्याय केवल उपलब्ध होना ही पर्याप्त नहीं है; न्याय समय पर और सम्मानजनक तरीके से उपलब्ध होना भी आवश्यक है। कई बार वर्षों तक चलने वाला मुकदमा अपने आप में पीड़ा बन जाता है। न्याय में देरी का प्रभाव केवल अदालत के रिकॉर्ड पर नहीं पड़ता, बल्कि संबंधित परिवारों के जीवन पर पड़ता है। किसी व्यक्ति की संपत्ति, नौकरी, विवाह, शिक्षा, व्यवसाय या सामाजिक प्रतिष्ठा से जुड़ा मामला यदि वर्षों तक लंबित रहता है तो उसका प्रभाव आने वाली पीढ़ियों तक महसूस हो सकता है। इसलिए न्यायपालिका के सामने केवल सही फैसला देने की चुनौती नहीं है, बल्कि समयबद्ध और प्रभावी न्याय देने की चुनौती भी है।

हालांकि इस पूरी स्थिति के लिए केवल न्यायपालिका को जिम्मेदार ठहराना भी उचित नहीं होगा। मुकदमों की बढ़ती संख्या, सरकारी विभागों की बड़ी संख्या में मुकदमेबाजी, बार-बार होने वाली अपीलें, प्रक्रियात्मक जटिलताएं और संसाधनों की सीमाएं भी न्यायिक बोझ को बढ़ाती हैं। इसलिए न्याय व्यवस्था में सुधार एक सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके साथ यह भी जरूरी है कि जनता न्यायपालिका से अपेक्षाएं रखते समय उसकी संवैधानिक सीमाओं को समझे। अदालतें कानून और संविधान के दायरे में निर्णय करती हैं। हर सामाजिक या राजनीतिक समस्या का समाधान अदालत के आदेश से नहीं हो सकता। न्यायपालिका शासन का विकल्प नहीं है और न ही उसे राजनीतिक या प्रशासनिक जिम्मेदारियों का स्थान लेना चाहिए। संस्थाओं के बीच संतुलन और संवैधानिक मयार्दा लोकतंत्र की बुनियादी शर्त है।

जस्टिस करोल के संदेश में 'धर्म' को कर्तव्य के रूप में देखने का विचार भी इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण है। न्यायाधीश का धर्म किसी धार्मिक पहचान से नहीं, बल्कि उसके संवैधानिक कर्तव्य से तय होता है। उसका धर्म है—निष्पक्ष रहना, कानून का सम्मान करना, नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना और बिना किसी भय या पक्षपात के न्याय करना। न्यायाधीश की सर्वोच्च निष्ठा संविधान के प्रति होनी चाहिए। न्यायपालिका के प्रति जनता का विश्वास किसी एक फैसले से नहीं बनता। यह विश्वास वर्षों में निर्मित होता है और कभी-कभी एक गलत धारणा या अनुभव से कमजोर भी हो सकता है। इसलिए अदालत में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति के साथ सम्मानजनक व्यवहार का महत्व बहुत अधिक है।

जरूरी नहीं कि हर व्यक्ति अपने पक्ष में फैसला लेकर अदालत से बाहर निकले। लेकिन उसे यह जरूर महसूस होना चाहिए कि उसकी बात सुनी गई, उसके तर्कों पर विचार किया गया और उसके साथ कानून के अनुसार समान व्यवहार हुआ। न्यायालय की गरिमा केवल उसकी भव्य इमारतों, न्यायाधीशों की औपचारिक पोशाक या कठिन कानूनी भाषा से नहीं बनती। उसकी वास्तविक गरिमा तब दिखाई देती है जब समाज का सबसे कमजोर व्यक्ति भी अदालत की चौखट पर खड़े होकर यह विश्वास कर सके कि उसके अधिकारों की रक्षा होगी। जिसके पास पैसा नहीं, सत्ता नहीं और राजनीतिक प्रभाव नहीं, यदि वह भी न्याय की उम्मीद कर सकता है, तभी न्यायपालिका लोकतंत्र की सबसे मजबूत संस्थाओं में गिनी जाएगी। आज के दौर में न्यायपालिका के बारे में सार्वजनिक बहस भी लगातार बढ़ रही है। सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों ने न्यायिक फैसलों पर तत्काल प्रतिक्रियाओं का वातावरण बना दिया है। एक फैसला आते ही समाज दो हिस्सों में बंट जाता है—एक उसे सही बताता है और दूसरा गलत। ऐसे समय में यह समझना जरूरी है कि न्यायिक निर्णय भावनाओं की लोकप्रियता के आधार पर नहीं, बल्कि कानून, संविधान और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किए जाते हैं। इसी तरह न्यायपालिका को भी यह ध्यान रखना होगा कि उसके निर्णयों की भाषा और तर्क आम नागरिक के लिए समझने योग्य हों।

जस्टिस करोल की लंबी न्यायिक यात्रा का संदेश भी यही है कि न्यायिक सेवा केवल अधिकार का पद नहीं, बल्कि निरंतर आत्ममंथन की प्रक्रिया है। न्यायाधीश जितना अधिक अनुभव प्राप्त करता है, उतना ही उसे यह समझ में आता है कि हर मामला केवल कानून की धारा नहीं है। हर मामले के पीछे मनुष्य हैं, उनकी परिस्थितियां हैं और उनके जीवन पर निर्णय का सीधा प्रभाव पड़ता है इसलिए न्यायाधीश का विनम्र होना किसी प्रकार की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। विनम्र न्यायाधीश अपने पद की गरिमा को कम नहीं करता, बल्कि उसे और ऊंचा करता है। वह यह स्वीकार करता है कि न्याय करने की जिम्मेदारी बहुत बड़ी है और इस जिम्मेदारी को निभाने के लिए उसे हर दिन सीखना, सुनना और स्वयं का मूल्यांकन करना होगा। अंततः न्याय का उद्देश्य केवल फैसला सुनाना नहीं है। न्याय का उद्देश्य नागरिक के भीतर यह विश्वास पैदा करना है कि व्यवस्था उसके साथ खड़ी है। अदालत में आने वाला व्यक्ति यदि यह महसूस करके लौटता है कि उसके साथ निष्पक्ष व्यवहार हुआ, उसकी गरिमा सुरक्षित रही और संविधान ने उसे अकेला नहीं छोड़ा, तो यही न्यायपालिका की सबसे बड़ी सफलता है। जस्टिस संजय करोल का संदेश इसलिए केवल उनके विदाई समारोह तक सीमित नहीं रहना चाहिए।

यह न्यायपालिका, कानून के विद्यार्थियों, वकीलों और आम नागरिक—सभी के लिए विचार का विषय है। न्यायाधीशों को भगवान मानना उचित नहीं; उन्हें संवैधानिक दायित्व निभाने वाले मनुष्य के रूप में देखना अधिक स्वस्थ लोकतांत्रिक दृष्टिकोण है। उनसे ईमानदारी, निष्पक्षता, विवेक और संवेदनशीलता की अपेक्षा होनी चाहिए, लेकिन उन्हें अचूक मान लेना स्वयं न्याय की अवधारणा को कमजोर करता है न्याय की असली ताकत आदेश की कठोरता में नहीं, बल्कि उस विश्वास में है जो नागरिक को अदालत से मिलता है। न्यायाधीश की महानता इस बात में नहीं कि वह स्वयं को त्रुटिहीन समझे, बल्कि इस बात में है कि वह अपनी मानवीय सीमाओं को पहचानते हुए भी संविधान और न्याय के प्रति पूरी ईमानदारी से अपना कर्तव्य निभाए। न्यायाधीश भगवान नहीं, इंसान हैं। और शायद यही स्वीकार करना

राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् से विरोध कैसा?

प्रो.(डा.) मनमोहन प्रकाश, स्वतंत्र पत्रकार

भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में 'वंदे मातरम्' हर धर्म, जाति और वर्ग के भारतीयों के लिए राष्ट्रीय चेतना, संघर्ष और बलिदान का प्रतीक रहा है।इस तथ्य को भी नकारा नहीं जा सकता कि इस गीत ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान सभी धर्मों के भारतीयों में राष्ट्रभक्ति और स्वाधीनता की भावना जगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हजारों स्वतंत्रता सेनानियों के लिए यह मातृभूमि के प्रति समर्पण और स्वतंत्रता की आकांक्षा का स्वर था।

24 जनवरी 1950 को संविधान सभा में डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने घोषणा की थी कि जन गण मन भारत का राष्ट्रगान होगा और वंदे मातरम् को भी राष्ट्रगान के समान सम्मान दिया जाएगा। इस प्रकार वंदे मातरम् स्वतंत्र भारत की राष्ट्रीय चेतना और स्वतंत्रता संघर्ष की विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा बना।

2026 में वंदे मातरम् को लेकर एक महत्वपूर्ण नया अध्याय जुड़ा है। गृह मंत्रालय के 28 जनवरी 2026 के दिशानिर्देश के अनुसार छह पदों वाले वंदे मातरम् के पूर्ण संस्करण को आधिकारिक प्रोटोकॉल में स्थान दिया गया। इसके बाद आकाशवाणी ने 26 मार्च 2026 से छह पदों वाले पूर्ण संस्करण का प्रसारण प्रारंभ किया। यह परिवर्तन केवल गीत के अधिक व्यापक स्वरूप को सामने लाने वाला कदम नहीं है, बल्कि स्वतंत्रता आंदोलन की इस ऐतिहासिक धरोहर को उसके मूल स्वरूप में समझने और सम्मान देने का अवसर भी है।

इसी वर्ष राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण (संशोधन) अधिनियम, 2026 के माध्यम से वंदे मातरम् को भी राष्ट्रीय सम्मान से संबंधित वैधानिक संरक्षण प्रदान किया गया। जानबूझकर राष्ट्रगीत के गायन को रोकना अथवा उसके प्रदर्शन में व्यवधान उत्पन्न करना अब कानून के दायरे में आता है। इसलिए यह कहना अधिक उचित होगा कि 2026 में वंदे मातरम् के सम्मान और उसके पूर्ण संस्करण के आधिकारिक प्रयोग को लेकर कानूनी एवं प्रोटोकॉल संबंधी व्यवस्था को और मजबूत किया गया है।

सही अर्थ और निष्पक्ष भाव से विचार किया जाए तो वंदे मातरम् किसी राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं है और न ही किसी एक विचारधारा का निजी प्रतीक। यह भारत के स्वतंत्रता संघर्ष की सामूहिक स्मृति का हिस्सा है तथा मातृभूमि के प्रति कृतज्ञता, समर्पण और सम्मान व्यक्त करने का ऐतिहासिक माध्यम है।

लोकतंत्र में संविधान सर्वोपरि है वहीं व्यक्ति की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और उसकी व्यक्तिगत आस्था का सम्मान लोकतांत्रिक व्यवस्था की मूल भावना है। साथ ही राष्ट्रीय प्रतीकों और राष्ट्रीय विरासत के प्रति सम्मान भी नागरिक दायित्व का महत्वपूर्ण हिस्सा है। असहमति का अधिकार लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन राष्ट्रीय प्रतीकों को अनावश्यक राजनीतिक टकराव का विषय बनाना सामाजिक समरसता के लिए उचित नहीं कहा जा सकता।

वंदे मातरम् का अर्थ मातृभूमि के प्रति वंदन और सम्मान की भावना से जुड़ा है। इसमें भारतभूमि को माता के रूप में देखने की भारतीय सांस्कृतिक दृष्टि अभिव्यक्त होती है। इसलिए इसे केवल धार्मिक दृष्टि से देखना या किसी एक समुदाय से जोड़ना इसके ऐतिहासिक और राष्ट्रीय महत्व को सीमित करना होगा। राष्ट्रगीत का सम्मान किसी धर्म, जाति अथवा राजनीतिक विचारधारा के प्रति निष्ठा की परीक्षा नहीं है, बल्कि उस स्वतंत्रता संघर्ष के प्रति सम्मान है जिसमें असंख्य भारतीयों ने अपना जीवन समर्पित किया।

यह प्रश्न भी विचारणीय है कि हम राष्ट्रीय प्रतीकों को राजनीतिक चश्मे से क्यों देखने लगते हैं? वंदे मातरम् का सम्मान करने वाला व्यक्ति किसी विशेष राजनीतिक विचारधारा का समर्थक है और उससे असहमति रखने वाला व्यक्ति राष्ट्रविरोधी—ऐसी सरलीकृत धारणाएं लोकतांत्रिक समाज के लिए उचित नहीं हैं। राष्ट्र और राष्ट्रीय विरासत किसी राजनीतिक दल या विचारधारा से कहीं बड़े हैं।

वास्तविक राष्ट्रभक्ति केवल नारों और प्रतीकों तक सीमित नहीं होती। वह नागरिक कर्तव्यों के पालन, संविधान के सम्मान, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा, सामाजिक समरसता, कानून के पालन और देशहित को निजी स्वार्थ से ऊपर रखने में दिखाई देती है। वंदे मातरम् का मूल भाव भी अंततः मातृभूमि के प्रति इसी समर्पण और कृतज्ञता की प्रेरणा देता है।

इसलिए वंदे मातरम् को राजनीतिक विवाद का विषय बनाने के बजाय हमें उसके ऐतिहासिक संदर्भ और भावार्थ को समझना चाहिए।2026 में पूर्ण छह-पद वाले संस्करण को आधिकारिक प्रोटोकॉल में स्थान मिलना और राष्ट्रगीत को वैधानिक संरक्षण प्राप्त होना इस बात को रेखांकित करता है कि वंदे मातरम् की राष्ट्रीय गरिमा किसी दल या सरकार की निजी संपत्ति नहीं, बल्कि भारत की साझा राष्ट्रीय विरासत है।

जिस गीत ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौर में भारतीयों के भीतर स्वाधीनता की चेतना को स्वर दिया, उसके प्रति सम्मान व्यक्त करने में विरोध कैसा?आधा गाने पर सहमति और पूरा गाने पर आपत्ति का प्रश्न ही क्यों? जब वर्षों तक इस गीत को स्वतंत्रता आंदोलन में सभी धर्मों का सम्मान मिला तो अब आपत्ति कैसी? सभी भारतवासियों को यह समझना बेहद जरूरी है कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष की स्मृति, मातृभूमि के प्रति श्रद्धा और राष्ट्रीय चेतना का ऐतिहासिक स्वर है। इसकी गरिमा बनाए रखना भारत की साझा राष्ट्रीय विरासत के प्रति सम्मान है।

सौर सुजला योजना-किसानों के खेतों तक पहुंची सूरज की रोशनी, बढ़ी सिंचाई की ताकत

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

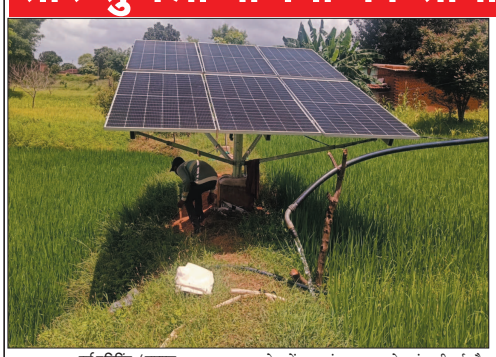

छत्तीसगढ़ में किसानों की समृद्धि और कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने की दिशा में सौर सुजला योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों को सिंचाई की बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने, कृषि उत्पादन बढ़ाने और किसानों की आय में वृद्धि के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी सोच का परिणाम है कि सौर ऊर्जा का उपयोग अब खेतों की सिंचाई के लिए प्रभावी माध्यम बन रहा है।

प्रदेश में 01 नवंबर 2016 को प्रारंभ की गई सौर सुजला योजना का उद्देश्य कृषि भूमि की सिंचाई क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ ऐसे क्षेत्रों में भी सिंचाई सुविधा पहुंचाना है, जहां विद्युत सुविधा उपलब्ध नहीं है। योजना के अंतर्गत किसानों के खेतों में 03 एचपी और 05 एचपी क्षमता के सोलर सिंचाई पंप स्थापित किए जा रहे हैं। इन पंपों में सोलर मॉड्यूल एवं कंट्रोलर शामिल होते हैं।

कम लागत में किसानों को सिंचाई की सुविधा : सौर सुजला योजना किसानों के लिए किफायती सिंचाई का मजबूत विकल्प बनकर सामने आई है।03 एचपी क्षमता के सोलर पंप की औसत लागत लगभग 2.64 लाख रुपये तथा 05 एचपी क्षमता के पंप की औसत लागत लगभग 3.64 लाख रुपये है। योजना में किसानों की श्रेणी के अनुसार हितग्राही अंशदान निर्धारित किया गया है, जिससे किसान कम अंशदान में सौर सिंचाई सुविधा प्राप्त कर सकते हैं। 03 एचपी पंप के लिए अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के हितग्राहियों का अंशदान 7 हजार रुपये, अन्य पिछड़ा वर्ग का 12 हजार रुपये तथा सामान्य वर्ग का 18 हजार रुपये है। इसी प्रकार 05 एचपी पंप के लिए क्रमशः 10 हजार, 15 हजार और 20 हजार रुपये हितग्राही अंशदान निर्धारित है। इसके अतिरिक्त निर्धारित प्रोसेसिंग शुल्क देय है।

खेतों में सिंचाई, फसल में विविधता और आय में वृद्धि : सौर सिंचाई पंप किसानों को सिंचाई के लिए बिजली पर निर्भरता से राहत देते हैं। विशेषकर आदिवासी एवं दूरस्थ अंचलों में जहां विद्युत पहुंच सीमित है, वहां सोलर पंप किसानों के लिए बारहमासी सिंचाई सुविधा का आधार बन रहे हैं। सिंचाई की उपलब्धता से किसान केवल धान तक सीमित न रहकर मक्का, गेहूं, दलहन-तिलहन, गन्ना और विभिन्न प्रकार की साग-सब्जियों एवं बागवानी फसलों की खेती की ओर बढ़ रहे हैं। इससे खेती में विविधता आने के साथ किसानों की आय बढ़ाने के नए अवसर भी सृजित हो रहे हैं।

जल संरक्षण और सौर ऊर्जा का बेहतर समन्वय : योजना का एक महत्वपूर्ण पक्ष जल संरक्षण भी है। सौर सिंचाई पंपों के माध्यम से भूजल का दोहन निर्धारित समयावधि में होने से भूजल संरक्षण एवं संवर्धन में भी सहायता मिलती है। इस तरह सौर ऊर्जा और जल संरक्षण का समन्वय किसानों को टिकाऊ कृषि की दिशा में आगे बढ़ा रहा है। गौठानों एवं चारागाहों में पशुधन के पेयजल, सिंचाई तथा अन्य आवश्यक उपयोगों के लिए भी सोलर पंप स्थापित किए जा रहे हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा मिलने के साथ पशुधन एवं कृषि आधारित गतिविधियों को भी सहयोग मिल रहा है।

पांच वर्ष की वारंटी, बीमा और रख-रखाव की सुविधा : सौर सिंचाई पंप एवं स्थापित उपकरणों पर पांच वर्ष की निःशर्त ऑन-साइट वारंटी का प्रावधान है। साथ ही पांच वर्ष की बीमा सुविधा भी उपलब्ध है। चोरी, क्षति अथवा टूट-फूट की स्थिति में निर्धारित प्रावधानों के अनुसार संयंत्र को सुधारने की व्यवस्था है। सोलर सिंचाई संयंत्रों के पांच वर्षीय संचालन-संधारण एवं रख-रखाव का भी प्रावधान किया गया है। क्रेडा के संबंधित जिला, क्षेत्रीय एवं जोनल कार्यालयों द्वारा स्थापित संयंत्रों का निरीक्षण किया जाता है।

शिकायतों के त्वरित निराकरण की व्यवस्था : हितग्राहियों की सुविधा के लिए सौर पंप से संबंधित शिकायत दर्ज कराने हेतु टोल फ्री नंबर 18001234591 उपलब्ध है। प्राप्त शिकायतों की ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से निगरानी की जाती है तथा संबंधित स्थापनाकर्ता इकाई द्वारा निर्धारित अवधि में शिकायत का निराकरण किया जाता है।

आवेदन से स्थापना तक पारदर्शी प्रक्रिया : योजना का लाभ लेने के लिए किसान के पास स्वयं की कृषि भूमि तथा पर्याप्त जल स्रोत होना आवश्यक है। इच्छुक किसान संबंधित ग्राम सेवक, कृषि विभाग के कार्यालय अथवा क्रेडा कार्यालय से आवेदन प्राप्त कर सकते हैं। कृषि विभाग द्वारा आवेदनों की जांच एवं अनुशंसा के बाद क्रेडा द्वारा स्थल सर्वेक्षण, पंप की क्षमता एवं प्रकार का आकलन किया जाता है। निर्धारित हितग्राही अंश एवं प्रोसेसिंग शुल्क प्राप्त होने के बाद स्थापना की स्वीकृति जारी की जाती है और संबंधित इकाई द्वारा सोलर पंप स्थापित किया जाता है।

किसानों की खुशहाली से मजबूत हो रहा गांव का अर्थतंत्र : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की किसान हितैषी नीतियों का मूल उद्देश्य खेती को लाभकारी और मजबूत बनाना है। सौर सुजला योजना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो सूरज की ऊर्जा को किसानों की समृद्धि की ऊर्जा में बदल रही है। सिंचाई सुविधा मिलने से उत्पादन बढ़ रहा है, फसल विविधीकरण को प्रोत्साहन मिल रहा है और किसानों को अतिरिक्त आय के अवसर मिल रहे हैं। इससे न केवल किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है, बल्कि गांवों की ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी मजबूत हो रही है। सौर सुजला योजना छत्तीसगढ़ में ऊर्जा, जल और कृषि के बेहतर समन्वय के माध्यम से आत्मनिर्भर और समृद्ध किसान की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बन रही है।

महतारी वंदन से सशक्त हो रही छत्तीसगढ़ की मातृशक्ति : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पत्रकार निशा द्विवेदी की पुस्तक 'महतारी वंदन अभिनंदन' का किया विमोचन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में पत्रकार सुश्री निशा द्विवेदी द्वारा लिखित पुस्तक 'महतारी वंदन अभिनंदन' का विमोचन किया। दो भागों में प्रकाशित इस पुस्तक में महतारी वंदन योजना से लाभान्वित महिलाओं के जीवन में आए सकारात्मक बदलावों, उनके अनुभवों और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदमों को संकलित किया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पुस्तक के प्रकाशन पर पत्रकार सुश्री निशा द्विवेदी को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना ने प्रदेश की महिलाओं को नियमित आर्थिक संबल देने के साथ उनके आत्मविश्वास और परिवार के निर्णयों में उनकी भूमिका को भी मजबूत किया है। यह योजना महिला सशक्तीकरण की दिशा में राज्य सरकार की महत्वपूर्ण पहल है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महतारी वंदन योजना के अंतर्गत महिलाओं को प्रतिमाह मिलने वाली राशि उनकी छोटी-बड़ी जरूरतों को पूरा करने में सहायक बन रही है। अनेक महिलाएं इस राशि का उपयोग बच्चों की पढ़ाई, पोषण, स्वास्थ्य, घरेलू आवश्यकताओं और बचत के लिए कर रही हैं। नियमित रूप से अपने खाते में राशि मिलने से महिलाओं में आर्थिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का भाव मजबूत हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी जनकल्याणकारी योजना की वास्तविक सफलता उसके लाभार्थियों के जीवन में दिखाई देने वाले परिवर्तन से मापी जाती है। महतारी वंदन अभिनंदन में योजना से जुड़ी महिलाओं के अनुभवों को सामने लाने का प्रयास किया गया है। इस तरह की पुस्तकें शासन की योजनाओं के सामाजिक प्रभाव को समझने के साथ भविष्य के लिए महत्वपूर्ण दस्तावेज भी बनती हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के अनुरूप छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना प्रारंभ की गई। योजना के माध्यम से प्रदेश की लगभग 70 लाख महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपए की आर्थिक सहायता सीधे उनके बैंक खातों में दी जा रही है। योजना की 30 किश्तों के माध्यम से अब तक लगभग 19 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि महिलाओं के खातों में अंतरित की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, कौशल विकास और आजीविका के माध्यम से उनके सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी रजवाड़े ने पुस्तक की सराहना करते हुए कहा कि इसमें महतारी वंदन योजना से लाभान्वित महिलाओं के अनुभवों और उनकी संवेदनाओं को शब्द दिए गए हैं। किसी योजना का वास्तविक प्रभाव जानने के लिए हितग्राहियों के बीच जाकर उनसे संवाद करना और उनके जीवन में आए बदलावों को समझना आवश्यक होता है।

श्रीमती रजवाड़े ने कहा कि गांव-गांव जाकर महिलाओं से मिलना, उनके अनुभवों को समझना, योजना से उनके जीवन में आए परिवर्तन का आकलन करना और फिर उन अनुभवों को पुस्तक के रूप में संजोना चुनौतीपूर्ण कार्य है। पत्रकार सुश्री निशा द्विवेदी ने इस पुस्तक के माध्यम से महतारी वंदन योजना के सामाजिक और आर्थिक प्रभाव को जमीनी स्तर पर सामने लाने का सार्थक प्रयास किया है। उन्होंने लेखिका को पुस्तक के प्रकाशन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

पुस्तक की लेखिका पत्रकार सुश्री निशा द्विवेदी ने बताया कि महतारी वंदन अभिनंदन के दोनों भागों में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों की ऐसी महिलाओं की कहानियों और अनुभवों को स्थान दिया गया है, जिन्हें महतारी वंदन योजना से आर्थिक संबल मिला है। पुस्तक में यह बताने का प्रयास किया गया है कि नियमित आर्थिक सहायता ने महिलाओं की दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ उनके आत्मविश्वास और आर्थिक निर्णय लेने की क्षमता को किस प्रकार प्रभावित किया है। इस अवसर पर विधायक पुरंदर मिश्रा, रायपुर महापौर श्रीमती मीनल चौबे, मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार कृष्णा दास, जनसंपर्क आयुक्त रजत बंसल, गौरी शंकर श्रीवास, सुश्री शताब्दी पांडेय सहित बड़ी संख्या में महिला पत्रकार एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

खास खबर

शिवनाथ कांवड़ यात्रा का आत्मीय स्वागत

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

शिवनाथ कांवड़ यात्रा समिति के तत्वावधान में सावन माह के पावन अवसर पर मां खारून नदी तट से शिवनाथ नदी दुर्ग तक निकाली जा रही शिवनाथ कांवड़ यात्रा शनिवार को भिलाई पहुंची। यात्रा का नेतृत्व ओबीसी मोर्चा के प्रदेश महामंत्री उपकार चंद्राकर कर रहे हैं।

भिलाई पहुंचने पर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य दिव्या मक्कड़ भसीन, पार्षद महेश वर्मा, संतोष वर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने श्रद्धालुओं और कांवड़ियों का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर दिव्या मक्कड़ भसीन ने कहा कि भगवान भोलेनाथ सभी कांवड़ियों की मनोकामनाएं पूर्ण करें और सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि प्रदान करें।

बंगीय साहित्य संस्था की 128वीं बैठक में पावस ऋतु पर काव्य पाठ, लघुकथा संग्रह 'अनुघटक' का लोकार्पण

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई के इंडियन कॉफी हाउस में बंगीय साहित्य संस्था के तत्वावधान में 'कॉफी विथ साहित्यिक विचार-विमर्श अड्डा' की 128वीं बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता असम से पधारी बांग्ला कवयित्री दीपिका विश्वास ने की, वहीं विशेष अतिथि के रूप में कला साहित्य मित्र समूह 'कवच' के संयोजक शक्तिपद चक्रवर्ती उपस्थित रहे।

इस अवसर पर बांग्ला कवि पल्लव चटर्जी के बांग्ला लघुकथा संग्रह 'अनुघटक' का लोकार्पण किया गया। साथ ही पावस ऋतु सहित विभिन्न विषयों पर काव्य पाठ हुआ। कार्यक्रम में रंगकर्मी शक्तिपद चक्रवर्ती ने कहा कि बंगीय साहित्य संस्था का यह आयोजन अनुकरणीय है। ऐसे आयोजनों से ही हम बांग्ला साहित्य, संस्कृति और सांस्कृतिक धरोहर को बचा सकते हैं। साहित्य और कला को जीवंत रखना हम सबका कर्तव्य है। कवयित्री दीपिका विश्वास ने कहा कि कला-साहित्य और बांग्ला भाषा को ऐसे ही आयोजनों से अस्तित्व में रखा जा सकता है। उन्होंने बांग्ला में 'टेलीफोन' एवं 'फिरा' शीर्षक से कविता पाठ किया।

इस अवसर पर संस्था के संरक्षक समरेंद्र विश्वास, उपसभापति स्मृति दत्त, 'मध्यबलय' के संपादक दुलाल समाद्दार, महासचिव शुभेंदु बागची, कोषाध्यक्ष पल्लव चटर्जी, 'आरंभ' के अध्यक्ष प्रदीप भट्टाचार्य, ब्रजेश मल्लिक, आलोक कुमार चंदा, बीरेंद्रनाथ सरकार, रवींद्रनाथ देवनाथ, सुबीर रॉय और रतन सरकार उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन स्मृति दत्त ने किया और आभार सुबीर रॉय ने व्यक्त किया।

'कोहरा' जैसी रचनाएं समाज को सजग करने व सच सामने लाने का सशक्त माध्यम : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने युवा साहित्यकार करुणा सागर पण्डा के उपन्यास कोहरा का किया विमोचन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर के महंत घासीदास संग्रहालय सभागृह में युवा साहित्यकार करुणा सागर पण्डा के उपन्यास 'कोहरा' का विमोचन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि साहित्य केवल समाज का दर्पण ही नहीं, बल्कि उसे सजग करने और सही दिशा दिखाने का भी सशक्त माध्यम है। 'कोहरा' जैसे उपन्यास सामाजिक विषयों को विमर्श के केंद्र में लाने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने युवा साहित्यकार करुणा सागर पण्डा को उनके उपन्यास के प्रकाशन पर बधाई देते हुए कहा कि संवेदनशील और चुनौतीपूर्ण विषय पर लेखन के लिए साहस की आवश्यकता होती है। रचनाकार जब समाज की समस्याओं और वास्तविकताओं को अपनी लेखनी का विषय बनाते हैं, तो साहित्य सामाजिक चेतना का माध्यम बनता है।

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध साहित्यिक परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश की धरती ने देश को अनेक प्रतिष्ठित साहित्यकार दिए हैं। विनोद कुमार शुक्ल जैसे मूर्धन्य रचनाकार को साहित्य के सर्वोच्च सम्मान ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया। छत्तीसगढ़ मुक्तिबोध की सृजनभूमि रही है और पदुमलाल पन्नालाल बख्शी जैसे साहित्यकारों ने हिंदी साहित्य को समृद्ध किया है। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी के रचनाकार इस गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं और समकालीन विषयों को साहित्य के माध्यम से समाज के सामने ला रहे हैं।

नक्सलवाद की अनकही पीड़ा को भी सामने लाएं रचनाकार

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर नक्सलवाद का उल्लेख करते हुए साहित्यकारों और रचनाकारों से इससे प्रभावित लोगों की पीड़ा और संघर्ष को भी अपनी रचनाओं का विषय बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ ने लंबे समय तक नक्सल हिंसा का दंश झेला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति, सुरक्षा बलों के अदम्य साहस और राज्य सरकार के सतत प्रयासों से प्रदेश में नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक सफलता मिली है और बस्तर शांति एवं विकास के नए दौर की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सलवाद की हिंसा में अनेक निर्दोष लोगों ने अपने परिजनों को खोया, बच्चों की शिक्षा और भविष्य प्रभावित हुआ तथा दशकों तक अनेक क्षेत्र विकास की मुख्यधारा से दूर रहे। नक्सलवाद की इस मानवीय त्रासदी और इसके कारण समाज पर पड़े प्रभावों को भी व्यापक रूप से सामने लाने की आवश्यकता है। साहित्यकार अपनी संवेदनशील लेखनी के माध्यम से उन परिवारों की पीड़ा, संघर्ष और बदलते बस्तर की कहानी को देश-दुनिया तक पहुंचा सकते हैं।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सुनील गंगाराम गर्ग ने कहा कि भारत की संस्कृति विविधता और विशिष्टता के साथ सहअस्तित्व को स्वीकार करती है। उन्होंने करुणा सागर पण्डा की लेखनी की सराहना करते हुए 'कोहरा' को समकालीन विषय पर लिखी गई प्रासंगिक कृति बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय विचारों के संवाद का समय है और साहित्य इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि सामाजिक प्रश्नों पर सार्थक विमर्श पैदा करने वाली रचनाएं समाज को आत्ममंथन का अवसर देती हैं। 'कोहरा' भी अपने विषय के माध्यम से पाठकों को विचार करने के लिए प्रेरित करता है।

छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के अध्यक्ष प्रभात मिश्रा ने कहा कि 'कोहरा' केवल समस्या को सामने नहीं रखता, बल्कि समाधान की दिशा में भी सोचने के लिए प्रेरित करता है। बीबीजे के स्वतंत्र निदेशक श्री जगन्नाथ पाणिग्रही ने कहा कि नई पीढ़ी को देश की संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक वास्तविकताओं से परिचित कराने में साहित्य की महत्वपूर्ण भूमिका है।

वरिष्ठ साहित्यकार गिरीश पंकज ने 'कोहरा' को साहसिक लेखन का उदाहरण बताते हुए कहा कि रचनाकार को समाज के ज्वलंत प्रश्नों पर अपनी बात रखने का साहस करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उपन्यास में सामाजिक विषयों के साथ नक्सलवाद की समस्या को भी अभिव्यक्ति दी गई है। साहित्य समाज में वैचारिक चेतना और सकारात्मक प्रतिरोध का स्वर मजबूत करता है।

इस अवसर पर विधायक पुरंदर मिश्रा, राज्य गौसेवा आयोग के उपाध्यक्ष राजीव लोचन महाराज, जलज कुमार अनुपम सहित जनप्रतिनिधि, साहित्यकार, गणमान्य नागरिक तथा बड़ी संख्या में साहित्यप्रेमी उपस्थित थे।

बिजली के प्रीपेड मीटर पर जनता का फूटा गुस्सा, वोरा के सामने महिलाओं ने बयां किया अपना दर्द

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

शहर में स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद लगातार बढ़े हुए बिजली बिलों को लेकर आम जनता का आक्रोश अब खुलकर सामने आने लगा है। शनिवार को दुर्ग के पूर्व विधायक एवं प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अरुण वोरा जब वार्ड क्रमांक 34 एवं 35 में जब कुछ कार्यक्रमों में शामिल होने पहुंचे तब बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाओं ने उन्हें घेर लिया और अपनी समस्याओं से अवगत कराया।

महिलाओं ने एक स्वर में कहा कि स्मार्ट मीटर हटवा दो भैया, अब बिजली का बिल भरना मुश्किल हो गया है। महिलाओं ने बताया कि जिन घरों का बिजली बिल पहले 200 से 300 रुपये तक आता था, वही अब 2,000 रुपये या उससे अधिक पहुंच रहा है। कई परिवारों के बिजली बिलों में चार से पांच गुना तक की वृद्धि हो गई है, जिससे मध्यमवर्गीय और गरीब परिवारों का मासिक बजट पूरी तरह बिगड़ गया है। इस दौरान कई नागरिकों ने आरोप लगाया कि पीएम सूर्य घर योजना तथा निजी कंपनियों के सोलर पैनलों को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार अप्रत्यक्ष रूप से दबाव का माहौल बना रही है। लोगों का कहना था कि वैकल्पिक ऊर्जा अपनाना लोगों की स्वैच्छिक पसंद होनी चाहिए, न कि उन्हें परिस्थितियों से मजबूर किया जाए। कुछ लोगों ने बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाते हुए भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए।

जनता की शिकायतों पर सहमति जताते हुए अरुण वोरा ने महिलाओं की शिकायतों को गंभीरता से सुना और भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश सरकार जनता की समस्याओं के प्रति पूरी तरह असंवेदनशील हो चुकी है। उन्होंने कहा, भाजपा सरकार आंख, कान और मुंह बंद करके बैठी हुई है। प्रदेश की जनता लंबे समय से स्मार्ट मीटर और मनमाने बिजली बिलों की मार झेल रही है, लेकिन सरकार को आम लोगों की परेशानियों से कोई सरोकार नहीं है। गरीब, मध्यमवर्गीय और आम उपभोक्ता लगातार आर्थिक बोझ तले दबते जा रहे हैं, फिर भी सरकार कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है। कांग्रेस हमेशा आम जनता के हितों के लिए खड़ी रही है और आगे भी हर वर्ग की आवाज बनकर उनके अधिकारों की लड़ाई लड़ती रहेगी।

इस दौरान पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राजकुमार साहू, पूर्व पार्षद कन्या धीमर एवं जगमोहन धीमर सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

डाइट करा रहा शैक्षिक गतिविधि आधारित प्रतियोगिताएं, शिक्षक जुटे तैयारियों में

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

दुर्ग जिले में शैक्षिक गुणवत्ता को लेकर जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) प्राचार्य पी सी मरकले के मार्गदर्शन में स्कूल, संकुल, जोन, ब्लॉक और जिला स्तर पर शैक्षिक गतिविधि प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही है। जिसमें सभी शिक्षकों की भूमिका और जिम्मेदारी निर्धारित की गई है। प्रतियोगिताओं में भाग लेने स्कूल स्तर पर सभी शिक्षक निर्धारित विषयों को लेकर कड़ी मेहनत कर रहे हैं। जिसमें सभी बच्चों को हिंदी- अंग्रेजी भाषा धारा प्रवाह लिखना-पढ़ना भी सिखा रहे हैं। वहीं गणितीय क्षमता बढ़ाने के लिए नई नई तकनीकों और विधियों अभ्यास कराए जा रहे हैं।

इन सभी गतिविधियों को मूर्त रूप देने के लिए संकुल स्तर पर शैक्षिक समन्वयक, विकासखंड स्तर पर विकासखंड स्त्रोत समन्वयक , विकासखंड शिक्षा अधिकारी और जिला स्तर पर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से सहायक संचालक , जिला मिशन समन्वयक कार्यालय से सहायक परियोजना समन्वयक , सहायक परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा दुर्ग एवं डाइट के समस्त संकाय सदस्य नियमित रूप से अवलोकन कर रहे है।

नोडल प्रतिनिधि सत्येंद्र शर्मा ने बताया कि जिले के शैक्षिक गुणवत्ता को बढ़ाने एवं परीक्षा परिणाम में सुधार लाने के लिए प्राचार्य के मार्गदर्शन में समस्त डाइट के अकादमिक सदस्यों द्वारा जिले में संचालित अटल टिंकरिंग लैब , व्यवसायिक पाठ्यक्रम संचालित विद्यालयों एवं विषय

वार अध्ययन अध्यापन को लेकर जुलाई से अगस्त माह के बीच में टीम बनाकर शैक्षिक अवलोकन किया गया। इसके बाद प्राचार्यों , अटल टिंकरिंग लैब प्रभारी व्याख्याताओं, विकास खंड शिक्षा अधिकारी, सहायक संचालक और डी एम सी के साथ बैठकें लेकर प्रतियोगिता आयोजित करने के लिए रणनीति तैयार की गई है। इसी के अंतर्गत सितंबर और अक्टूबर माह में जिला स्तरीय प्रतियोगिता डाइट अछोटी दुर्ग में आयोजित की जाएगी।

इस पूरे कार्यक्रम को संचालित करने के लिए सहायक प्राध्यापक डॉ शिशिरकना भट्टाचार्य,डॉ हेमंत साहू,डॉ नीलम दुबे, डॉ वंदना सिंह, प्रकोष्ठ प्रभारी संध्या शर्मा, व्याख्याता संदीप दुबे, अनुजा मुरेकर, सुषमा हिरवानी, आभा वर्मा खोसला और तृप्ति चंद्रवंशी को विकासखंड धमधा, पाटन व दुर्ग का प्रभारी नियुक्त किया गया है। सभी अधिकारी, कर्मचारीगण अपने अपने स्तर पर कार्य कर रहे हैं।

भूमिपूजन कार्यक्रम

विकास के लिए सरकार के पास पर्याप्त राशि है और सुविधाओं के लिए खर्च करना सरकार की पहली प्राथमिकता

रिसाली में 1.72 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन, विधायक चंद्राकर ने किया शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / रिसाली-भिलाई

नगर पालिक निगम रिसाली क्षेत्र के श्रमिक बाहुल्य शिवपारा, बीआरपी कॉलोनी और एचएससीएल कॉलोनी मरोदा में 1 करोड़ 72 लाख 96 हजार रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन रविवार को हुआ। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने नारियल तोड़कर कार्यों की शुरूआत की। विधायक चंद्राकर ने कहा कि विकास के लिए सरकार के पास पर्याप्त राशि है और सुविधाओं के लिए खर्च करना सरकार की पहली प्राथमिकता है।

विधायक सबसे पहले वार्ड 17 शिवपारा स्टेशन मरोदा, फिर वार्ड 18 एचएससीएल स्टेशन मरोदा और बीआरपी कॉलोनी पहुंचे। उन्होंने कहा कि पुरैना से भूमिपूजन करते आ रहे हैं और क्षेत्रीय पार्षदों के प्रयास और नागरिकों की प्राथमिकता के अनुसार विकास कार्य पूरे किए जा रहे हैं। बहुत से कार्य स्वीकृति की प्रक्रिया में हैं।

इन वार्डों में होंगे कार्य

वार्ड 16 बीआरपी कॉलोनी में 25.55 लाख से नाली निर्माण, सड़क और सौंदर्यीकरण, वार्ड 17 शिवपारा स्टेशन मरोदा में 1.02 करोड़ से नाली, पुलिया, सड़क संधारण और सामुदायिक भवन तथा वार्ड 18 एचएससीएल शिवपारा में 45.36 लाख रुपये से विकास कार्य होंगे। कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष शैलेंद्र साहू, पार्षद गजेंद्री कोठारी, रेखा देवी, ममता सिन्हा, धर्मेंद्र भगत, सारिका साहू, मंडल अध्यक्ष राजू जंघेल, अनुपम साहू सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

गढ़वाल समाज ने मनाया सावन मिलन और झूला कार्यक्रम

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

गढ़वाल समाज मंगल भवन कोहका में अखिल भारतीय गढ़वाल समाज भिलाई मंडल द्वारा सावन मिलन समारोह एवं सावन झूला कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में सर्व कल्याण समाज के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू शामिल हुए और समाजजनों से भेंट-मुलाकात की। सावन की हरियाली और संस्कृति से सराबोर इस आयोजन में मातृशक्ति द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहे। छोटू ने कहा कि गढ़वाल समाज की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं को संजोता यह आयोजन प्रेरणादायी रहा। उन्होंने महिला समिति और पदाधिकारियों को बधाई दी।

क्या अल्लू अर्जुन की 'राका' में नजर आएंगे हॉलीवुड स्टार विल स्मिथ?

फिल्म 'राका' को डायरेक्टर एटली बना रहे हैं और इसमें अल्लू अर्जुन के साथ दीपिका पादुकोण भी लीड रोल में नजर आएंगी। अब फिल्म से हॉलीवुड स्टार विल स्मिथ को लेकर एक बड़ी अपडेट सामने आई है।

विदेश में होगा विल स्मिथ का शूट?

रिपोर्ट्स के मुताबिक, विल स्मिथ फिल्म में एक अहम विलेन का किरदार निभा सकते हैं। बताया जा रहा है कि फिल्म में उनके लुक और कॉस्ट्यूम को भी फाइनल कर लिया गया है। अब मेकर्स उनके शूट की तारीखों को तय करने में जुटे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, विल स्मिथ फिल्म के एक आगामी विदेशी शेड्यूल में टीम के साथ जुड़ सकते हैं। वह पिछले साल से फिल्म के मेकर्स के संपर्क में हैं। अब उनकी उपलब्धता के हिसाब से शूटिंग का प्लान तैयार किया जा रहा है। फिलहाल यह साफ नहीं है कि विल स्मिथ की शूटिंग किस देश या लोकेशन पर होगी। मेकर्स उनकी डेट्स फाइनल होने का इंतजार कर रहे हैं।

'राका' में दिखेगा अल्लू अर्जुन का नया अवतार

अल्लू अर्जुन के 44वें जन्मदिन के मौके पर फिल्म का आधिकारिक नाम 'राका' रखा गया था। इसी के साथ उनका पहला लुक भी जारी किया गया था। पोस्टर में अल्लू अर्जुन गंजे लुक में नजर आए थे। उनके चेहरे के एक हिस्से को भेड़िए जैसे जानवर का रोएंदार हाथ ढकता दिखाई दिया था, जिसके नुकीले पंजे फिल्म की कहानी को लेकर रहस्य और रोमांच बढ़ा रहे थे। फिल्म का निर्देशन एटली कर रहे हैं। इसमें अल्लू अर्जुन और दीपिका पादुकोण के अलावा रश्मिका मंदाना, जाह्नवी कपूर और मृणाल ठाकुर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह एक बड़े बजट की साइंस-फिक्शन फिल्म है, जिसे करीब 700 करोड़ रुपये से ज्यादा के बजट में बनाया जा रहा है। फिल्म को सन पिक्चर्स प्रोड्यूस कर रहा है।

क्या पहली बार साथ नजर आएंगे कियारा और सैफ अली खान?

कनिका ढिल्लों करेंगी निर्देशन

कियारा और सैफ अली खान दोनों एक्टर्स इन दिनों अपनी आने वाली फिल्मों को लेकर व्यस्त हैं। अब खबरें सामने आ रही हैं कि दोनों एक इंटेंस थ्रिलर फिल्म में स्क्रीन शेयर कर सकते हैं।

कनिका ढिल्लों करेंगी निर्देशन

खास बात यह है कि इस फिल्म से राइटर-प्रोड्यूसर कनिका ढिल्लों बतौर डायरेक्टर अपना डेब्यू करने जा रही हैं। पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक, इस अनटाइटल्ड फिल्म को एक्सेल एंटरटेनमेंट्स प्रोड्यूस कर सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म अभी डेवलपमेंट स्टेज में है। इसकी स्क्रिप्ट को खास तौर पर सैफ अली खान और कियारा आडवाणी को ध्यान में रखकर लिखा जा रहा है। मेकर्स इस फिल्म की शूटिंग इसी साल के आखिर तक शुरू करने की तैयारी में हैं।

सुपरनैचुरल थ्रिलर होगी फिल्म

प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र ने पोर्टल को बताया, 'सैफ और कियारा कनिका की अगली फिल्म के लिए साथ आ रहे हैं। यह सुपरनैचुरल एलिमेंट वाली एक इंटेंस थ्रिलर है और इसकी स्क्रिप्ट दोनों एक्टर्स को ध्यान में रखकर तैयार की जा रही है। कनिका, एक्सेल एंटरटेनमेंट्स और राइटिंग टीम काफी समय से इस कहानी पर काम कर रही है और अब मेकर्स इसे आगे बढ़ाना चाहते हैं।' फिलहाल फिल्म को लेकर ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। स्क्रिप्ट पूरी तरह तैयार होने के बाद मेकर्स फिल्म से जुड़ी और जानकारी शेयर कर सकते हैं।

कियारा आडवाणी की बात करें तो वह जल्द ही फिल्म 'टॉक्सिक' में नजर आने वाली हैं। फिल्म में यश डबल रोल में दिखाई देंगे। फिल्म में नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत भी अहम भूमिकाओं में हैं। 'टॉक्सिक' दुनियाभर में 26 अगस्त 2026 को रिलीज होने वाली है।

वहीं सैफ अली खान अगली बार फिल्म 'हैवान' में नजर आएंगे। यह एक क्राइम थ्रिलर फिल्म है, जिसे प्रियदर्शन ने लिखा और डायरेक्ट किया है। 'हैवान' में सैफ अली खान के साथ अक्षय कुमार, बोमन ईरानी, श्रिया पिलगांवकर और सैयामी खेर भी नजर आएंगे। फिल्म 11 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

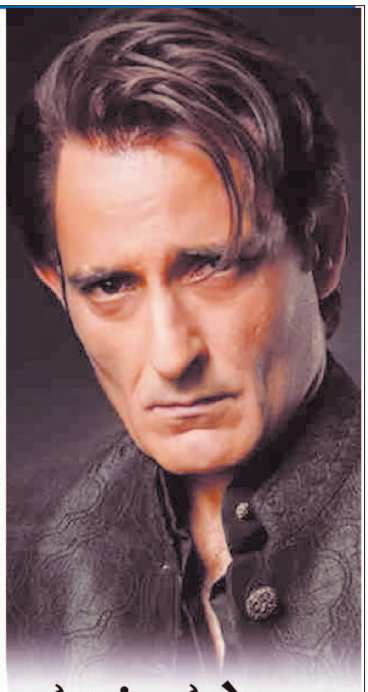

'धुरंधर' के बाद 'महाकाली' में दर्शकों को हैरान करने को तैयार अक्षय खन्ना

'हनु-मान' की जबरदस्त सफलता के बाद प्रशांत वर्मा अपने अगले अध्याय के साथ दर्शकों को एक नई दुनिया में ले जाने के लिए तैयार हैं। हाल ही में आरकेडी स्टूडियोज ने एक रहस्यमयी पोस्ट शेयर किया है। ऐसे में माना जा रहा है कि वह 'महाकाली' से अक्षय खन्ना का शुक्राचार्य के रूप में उनका दिलचस्प अवतार पेश करने वाले हैं। अपकमिंग फिल्म 'महाकाली' में अक्षय खन्ना शुक्राचार्य का किरदार निभाने वाले हैं। माना जा रहा है कि अक्षय खन्ना इस बार अपने ट्रांसफॉर्मेशन को एक नए स्तर पर ले जाएंगे। 'धुरंधर' में अपनी शानदार मौजूदगी के बाद अभिनेता इस भूमिका में लगभग पहचान में ही नहीं आ रहे हैं। वैसे शुक्राचार्य के रूप में उनका फर्स्ट लुक पहले ही काफी चर्चा में है। अब उनकी पहली झलक देखने के लिए दर्शक उत्सुक हैं।

अहम है अक्षय खन्ना का रोल

पुराणों के अनुसार असुरों के गुरु के रूप में पूजनीय शुक्राचार्य एक बेहद अहम पात्र हैं। ऐसे में अक्षय खन्ना की तरफ से निभाए जा रहे इस किरदार में उनकी गंभीरता देखने को मिल सकती है। वहीं, प्रशांत वर्मा का विजुअल ट्रीटमेंट इस किरदार को उनके सिनेमाई यूनिवर्स के अनुरूप भव्य स्तर प्रदान करने की उम्मीद जगाता है।

'हनु-मान' के बाद से ही दर्शक यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि प्रशांत वर्मा अपने सिनेमाई यूनिवर्स में आगे क्या लेकर आएंगे। 'हनु-मान' ने न सिर्फ फिल्ममेकर की बड़े पैमाने पर भारतीय कहानियां प्रस्तुत करने की क्षमता को स्थापित किया, बल्कि विजुअल डिटेलिंग और वर्ल्ड-बिल्डिंग के लिए भी एक नया मानक तय किया है। ऐसे में 24 अगस्त को अक्षय खन्ना की पहली झलक के साथ दर्शकों को 'महाकाली' की दुनिया की पहली झलक मिलने वाली है। इस रिवील में अभिनेता के जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन के साथ-साथ उस विशाल स्तर और बारीक विजुअल डिटेलिंग की झलक मिलने की उम्मीद है, जो प्रशांत वर्मा की फिल्ममेकिंग की खास पहचान बन चुकी है।

तेजस्वी प्रकाश से पुराने मतभेद पर सुरभि चंदना बोलीं

टीवी की दुनिया में सुरभि चंदना और तेजस्वी प्रकाश दोनों ही जाना-पहचाना नाम हैं। दोनों अभिनेत्रियों के बीच कुछ समय पहले एक विवाद की खबरों ने खूब ध्यान खींचा था। अब सुरभि ने पहली बार इस पुराने मतभेद और तेजस्वी के साथ अपने रिश्ते को लेकर कुछ खुलकर बातें की। अभिनेत्री ने बताया कि हमारी दोस्ती काफी पुरानी है। इंडस्ट्री में रिश्तों में उतार-चढ़ाव आना स्वाभाविक है, लेकिन जरूरी यह है कि लोग बात करके चीजों को सुलझाएं और आगे बढ़ें। इंडस्ट्री में कलाकारों के एक-दूसरे को सपोर्ट करने की जरूरत पर बात करते हुए सुरभि ने कहा, इंडस्ट्री के लोग अक्सर अच्छे माहौल, स्वस्थ कामकाज और वर्क एथिक्स की बात करते हैं। इन बातों को सिर्फ कहने तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि कलाकारों को वास्तव में एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करना चाहिए और एक-दूसरे की उपलब्धियों की सराहना भी करनी चाहिए। सुरभि ने कहा, काम के दौरान रिश्तों में कभी-कभी उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। कलाकारों के बीच किसी बात को लेकर गलतफहमी या मतभेद होना कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन उसे लंबे समय तक बनाए रखना सही नहीं है। सुरभि ने कहा, तेजस्वी के साथ मेरा रिश्ता अब भी बना हुआ है।

अनुपमा परमेश्वरन का खुलासा; बताया क्यों 'परधा' प्रमोशन के दौरान रो पड़ी थीं एक्ट्रेस

अनुपमा परमेश्वरन फिल्म 'परधा' के प्रमोशन के दौरान रोने लगी थीं। उस वक्त उन्हें देखकर कई तरह की बातें कही गई थीं। कुछ लोगों ने इसे प्रमोशन का हिस्सा बताया था, तो कुछ ने कहा था कि वह सहानुभूति पाने की कोशिश कर रही हैं। बातचीत के दौरान अनुपमा ने कहा, 'सोचिए, स्टेज पर जाने से पहले आपका अपना बॉयफ्रेंड आपको शर्मिंदा करे। अपनी जिंदगी के दो वर्षों से मैं लगातार यह दिखाने की कोशिश कर रही थी कि मैं ठीक हूं।' अनुपमा ने कहा कि वह जैसी कैमरे के सामने दिखाई देती हैं, असल जिंदगी में भी वैसी ही हैं। वह किसी तरह का दिखावा नहीं करतीं। उन्होंने कहा, 'आप जिस इंसान से अभी बात कर रहे हैं, मैं हर जगह वही इंसान हूं। मैं कोई मास्क पहनकर घर से बाहर नहीं निकलती। पिछले दो वर्षों से मैं ठीक होने का दिखावा कर रही थी। लेकिन एक बार मैं ऐसा नहीं कर पाई।'

अनुपमा ने उस घटना को याद करते हुए बताया कि वह 'परधा' के एक प्रमोशनल इवेंट में लाल चूड़ीदार पहनकर बैठी थीं। इसी दौरान एक पत्रकार ने उनसे सवाल पूछा और वह अचानक रोने लगीं। एक्ट्रेस ने इस घटना पर कहा, 'मैं ऐसी नहीं हूं कि हालात कितने भी मुश्किल हों, स्टेज पर रोने लगूं। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि मुझे वो सबसे बुरी बातें कही गईं, जो कोई महिला सुनना नहीं चाहती। जिस इंसान को मेरी रक्षा करनी चाहिए थी, वही मुझे अंदर से तोड़ रहा था।' अनुपमा ने बताया कि जब वह प्रमोशनल इवेंट में रोईं तो लोगों ने उनका मजाक उड़ाया। उन्होंने कहा, 'लोगों ने मेरा मजाक उड़ाया। उन्होंने कहा कि मैं सहानुभूति पाने की कोशिश कर रही हूं या यह प्रमोशन का हिस्सा है। इसका 'परधा' से कोई लेना-देना नहीं था। यह मेरी असल जिंदगी में जो कुछ चल रहा था, उससे जुड़ा था।'

मुझे जिंदगी में किसी चीज का पछतावा नहीं मौके मिले लेकिन उसमें मुश्किलें भी खूब रहीं

देश के जाने-माने फिल्मी परिवार में जन्मीं अक्षरा हासन ने अपने पापा कमल हासन, मम्मी सारिका और बड़ी बहन श्रुति हासन के नक्शेकदम पर चलते हुए एक्टिंग को करियर चुना। हालांकि, उनका कहना है कि उन्हें सिर्फ एक्टिंग नहीं, कला के कई फॉर्म जैसे डांस, लेखन, निर्देशन आदि से प्यार है। उनके लिए यह सिर्फ एक्टिंग तक सीमित नहीं है। बीते दिनों अपनी फिल्म 'सिम्यूलाक्रा' को लेकर चर्चा में रहीं अक्षरा ने जब हमने पूछा कि क्या परिवार में पापा, मम्मी, दीदी सभी के एक्टिंग में होने के चलते उनका भी रुझान फिल्मों की ओर हुआ? इस पर उन्होंने कहा, 'बेशक मेरे कला की ओर झुकाव का श्रेय मेरे पैरेंट्स को जाता है, क्योंकि उन्होंने मुझे अलग-अलग आर्ट फॉर्म को एक्सप्लोर करने की आजादी दी, लेकिन जहां तक एक्टिंग की बात है, वह कोई एक चीज नहीं है, जिससे मुझे प्यार हुआ।'

एक्टिंग ही नहीं, कई आर्ट फॉर्म से प्यार

मुझे कई आर्ट फॉर्म से प्यार है। जैसे, सबसे पहला तो डांस है। फिर राइटिंग, उसके बाद एक्टिंग से प्यार हुआ। अभी डायरेक्शन है तो मुझे सिर्फ एक्टिंग नहीं, कला को कई रूपों से प्यार है। ऐसा नहीं है कि मम्मी-पापा एक्टर थे, तो मैं भी एक्टर बन गई। अभी तो मेरा ज्यादा फोकस डायरेक्शन की ओर है। मैं कुछ डायरेक्ट जरूर करूंगी।'

मौके मिले, पर मुश्किलें भी खूब रहीं

अक्षरा ने साल 2015 में अमिताभ बच्चन और धनुष जैसे सितारों के साथ फिल्म 'शमिताभ' से जोरशोर से अपना एक्टिंग डेब्यू किया था, लेकिन आज 11 साल बाद भी उनका करियर वो परवाज नहीं पा सका। उनके खाते में गिनती की यादगार फिल्में हैं? इसकी वजह पूछने पर वह कहती हैं, 'मुझे मौके मिले लेकिन उसमें मुश्किलें भी खूब रहीं। जो भी फिल्में मुझे मिलीं, उसमें कोई न कोई चीज वर्क नहीं की, इसलिए उसका प्रभाव भी नहीं हुआ। मेरे साथ ज्यादातर यही हुआ। इसीलिए, मैंने खुद को एक्टिंग तक सीमित नहीं रखा, लेखन-निर्देशन जैसी दूसरी विधाओं की ओर मुड़ गई।'

किसी फैसले का पछतावा नहीं

अक्षरा को उनकी पहली फिल्म जाने-माने निर्देशक मणिरत्नम ने ऑफर की थी, जिसे उन्होंने मना कर दिया था। क्या कभी अक्षरा को अपने इस फैसले पर पछतावा होता है? इस पर उनका कहना है, 'मुझे कोई पछतावा नहीं है, क्योंकि हर चीज का एक वक्त होता है। मणिरत्नम सर की फिल्म का जब ऑफर आया था, उस वक्त मेरा फोकस डांस में था और जब मैंने उन्हें अपने दिल की बात बताई तो उन्होंने उसका सम्मान किया और कभी भी मुझे अपराध बोध महसूस नहीं कराया। इसलिए, मुझे उसका कोई अफसोस नहीं है, क्योंकि शायद तब उसका सही समय नहीं था।'

यीन-ऐंग जैसा है दीदी संग रिश्ता

अक्षरा ने हमें अपने पैरेंट्स कमल हासन-सारिका और दीदी श्रुति हासन संग बॉन्डिंग के बारे में भी कई बातें बताईं। उन्होंने बताया, 'पापा ने हमेशा यही सिखाया है कि विनम्रता, ईमानदारी और कड़ी मेहनत कामयाबी के तीन मूल मंत्र हैं। इसके अलावा, इंडस्ट्री में किसी चीज को लेकर बहुत जिद्दी नहीं होना चाहिए, हर चुनौती के लिए तैयार रहना चाहिए और अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहिए। ये गुण हमेशा काम करते हैं। यही खूबियां मैंने 'शमिताभ' में काम करते हुए बिग बी में भी देखी थीं।' वहीं, दीदी श्रुति हासन संग रिश्ते पर वह बताती हैं, 'हम बहनें हैं, हम एक दूसरे को लेकर बेहद प्रोटेक्टिव हैं। हम दोस्त भी हैं। हम यीन एंड ऐंग हैं, मतलब हमारा नेचर एक-दूसरे से बिल्कुल अलग है, लेकिन हम एक-दूसरे के बिना रह भी नहीं सकते। यही चीज हमारे बॉन्ड और मजबूत बनाती है।'

कोई याद मिटाना नहीं चाहूंगी

अक्षरा की फिल्म 'सिम्यूलाक्रा' यादों को सहेजने और मिटाने जैसे यूनिक विषय पर है। ऐसे में, 'असल जिंदगी में वह कौन सी यादें मिटाना चाहेंगी? और किसे रखना चाहेंगी? यह पूछने पर वह कहती हैं, 'मैं अपनी सारी यादें और अनुभव अपने पास रखूंगी, क्योंकि उसी ने मुझे वह इंसान बनाया है जो मैं आज हूं तो मैं कोई याद मिटाना नहीं चाहूंगी। हर चीज रखना चाहूंगी। कुछ भी डिलीट नहीं करना चाहूंगी क्योंकि मुझे किसी चीज का पछतावा नहीं है।'

राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा 8 सितम्बर तक, नेत्रदान-महादान, जीवन का सबसे बड़ा वरदान

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

राष्ट्रीय अंधत्व एवं अल्प दृष्टि नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत कबीरधाम जिले में 25 अगस्त से 08 सितम्बर 2026 तक 41वां राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा मनाया जाएगा। इस दौरान आमजन को नेत्रदान के महत्व के प्रति जागरूक करने, अधिक से अधिक लोगों को मरणोपरांत नेत्रदान का संकल्प लेने के लिए प्रेरित करने तथा नेत्रदान से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने के लिए विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। यह कार्यक्रम कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति के निर्देशन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डी.के. तुरे एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन श्रीमती अनुपमा तिवारी के नेतृत्व तथा जिला नोडल अधिकारी (अंधत्व एवं अल्प दृष्टि नियंत्रण) डॉ. क्षमा चोपड़ा के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है।

जिला नोडल अधिकारी डॉ. क्षमा चोपड़ा ने बताया कि भारत में बड़ी संख्या में लोग कॉर्नियल अंधत्व से पीड़ित हैं और दृष्टि की रोशनी पाने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। एक व्यक्ति की मृत्यु के बाद उसकी आंखों से प्राप्त कॉर्निया दो जरूरतमंद लोगों को दृष्टि प्रदान कर सकता है। इसलिए नेत्रदान मानवता की सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। नेत्रदान के माध्यम से मृत्यु के बाद भी किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन में रोशनी लाई जा सकती है। आपकी आंखें दो लोगों को नई दृष्टि प्रदान कर उन्हें रंगीन दुनिया देखने का अवसर दे सकती हैं। इसी उद्देश्य से इस वर्ष राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े के दौरान आमजन से नेत्रदान का संकल्प लेने की अपील की जा रही है।

जिला नोडल अधिकारी डॉ. क्षमा चोपड़ा ने बताया कि चश्मा लगाने वाले व्यक्ति, मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप से पीड़ित व्यक्ति तथा मोतियाबिंद का ऑपरेशन करा चुके लोग भी नेत्रदान कर सकते हैं। मृत्यु के बाद आंखों से कॉर्निया निकालने की प्रक्रिया में सामान्यतः 10 से 15 मिनट का समय लगता है। इससे चेहरे पर किसी प्रकार की विरूपता नहीं आती। मृत्यु के 6 घंटे के भीतर कॉर्निया निकालना आवश्यक होता है। इसलिए मृत्यु की सूचना मिलते ही संबंधित नेत्र बैंक अथवा स्वास्थ्य विभाग को तत्काल सूचित करना चाहिए। नेत्रदान की प्रक्रिया के कारण अंतिम संस्कार में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी नहीं होती है।

आज ही लें नेत्रदान का संकल्प

अपने नजदीकी नेत्र बैंक अथवा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र या जिला अस्पताल के नेत्र विभाग से संपर्क कर नेत्रदान का संकल्प पत्र भर सकते हैं। आपका छोटा-सा संकल्प किसी जरूरतमंद के जीवन में नई रोशनी ला सकता है। नेत्रदान के संबंध में जानकारी अथवा संकल्प के लिए कबीरधाम जिले में मेघनाथ कुलमित्र, सहायक नेत्रदान अधिकारी मोबाइल नंबर-9770101006, धीरेन्द्र कुमार शर्मा, नेत्र सहायक अधिकारी जिला चिकित्सालय, कबीरधाम मोबाइल नंबर-8085615659 से संपर्क किया जा सकता है।

मुख्य चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारी ने की नेत्रदान की अपील

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डी.के. तुरे ने राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े के अवसर पर कबीरधाम जिले के समस्त नागरिकों से नेत्रदान का संकल्प लेने तथा समाज में नेत्रदान के प्रति जागरूकता फैलाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि हमारे द्वारा किया गया नेत्रदान किसी ऐसे व्यक्ति के जीवन में दृष्टि की नई रोशनी ला सकता है, जो आंखों की रोशनी से वंचित है। नेत्रदान मृत्यु के बाद किया जाता है और इसके माध्यम से किसी के जीवन में उजाला लाने का महान कार्य किया जा सकता है। उन्होंने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि नेत्रदान-महादान, जीवन का सबसे बड़ा वरदान की भावना को आत्मसात करते हुए अधिक से अधिक लोग नेत्रदान का संकल्प लें और मानवता की सेवा में सहभागी बनें।

खास खबर

रेंगाखार में साहू समाज का भव्य स्वागत, स्वरोजगार पर दिया गया जोर

नई दृष्टिबिंदु / कबीरधाम

छत्तीसगढ़ के अंतिम छोर रेंगाखार में साहू समाज द्वारा आत्मीय एवं भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान समाजजनों में विशेष उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में तेलघानी बोर्ड अध्यक्ष (राज्य मंत्री दर्जा) जितेंद्र साहू, प्रदेश साहू संघ के युवा प्रकोष्ठ सह संयोजक नीलेश कुमार साहू, समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी, तहसील अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

इस अवसर पर नीलेश साहू ने समाजजनों से अधिक से अधिक तेलघानी मशीन स्थापित कर स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाने का आह्वान किया, ताकि समाज आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बन सके।

105 गौवंशों को बाड़े में ठूंस-ठूंसकर रखने वाला पिता-पुत्र हुए गिरफ्तार

बेमेतरा। जिला बेमेतरा के थाना दाढ़ी पुलिस ने गौवंश तस्करी और क्रूरता के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए 105 गौवंश बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्रार्थी हरीश चौहान की रिपोर्ट पर पुलिस ने ग्राम हेमाबंध निवासी दिलीप राय (55) और उसके बेटे संजय राय (35) के खिलाफ कार्रवाई की। आरोप है कि दिलीप राय वर्षों से प्रति गौवंश 1200 रुपये लेकर गौवंशों को अपने छोटे से बाड़े में बिना चारा-पानी और साफ-सफाई के ठूंस-ठूंसकर रखता था। दम घुटने, पैरों तले दबने और कीचड़ में फंसने से कई गौवंशों की मौत हो जाती थी, जिन्हें ट्रैक्टर में बांधकर घसीटते हुए बाहर फेंक दिया जाता था।

एसपी त्रिलोक बंसल के निर्देश पर थाना प्रभारी दाढ़ी की टीम ने छापा मारकर 105 गौवंश जब्त किए। 9 गंभीर रूप से बीमार गौवंशों को उपचार के लिए भेजा गया, शेष को जिले की विभिन्न गौशालाओं में सुरक्षित रखा गया है। आरोपियों के विरुद्ध धारा 325, 299 BNS, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 11(1) और छग कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 4,6,10 के तहत अपराध दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया।

महतारी वंदन की 30वीं किस्त से भाई के लिए राखी लेंगी सरस्वती वर्मा

खैरागढ़। रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के स्नेह, विश्वास और आत्मीय रिश्ते का प्रतीक है। इस बार यह पर्व विकासखंड खैरागढ़ ग्राम खुसियारी की सरस्वती वर्मा के लिए और भी खास है। महतारी वंदन योजना की 30वीं किस्त की राशि मिलने के बाद उन्होंने तय किया है कि वे इसी राशि से अपने भाई के लिए राखी खरीदेंगी और पूरे उत्साह के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाएंगी। सरस्वती वर्मा ने बताया कि महतारी वंदन योजना के तहत मिलने वाली आर्थिक सहायता महिलाओं के लिए बड़ा सहारा बनी है। नियमित रूप से मिलने वाली राशि से वे अपनी छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा कर पाती हैं। उन्होंने कहा कि इस बार रक्षाबंधन से पहले 30वीं किस्त की राशि मिलने से उन्हें काफी खुशी हुई है।

श्रावण के अंतिम सोमवार को अमरकंटक पहुंचकर विजय शर्मा ने की पूजा अर्चना

मां नर्मदा के दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

श्रावण मास के अंतिम सोमवार के पावन अवसर पर उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने मध्यप्रदेश के पवित्र तीर्थस्थल अमरकंटक पहुंचकर मां नर्मदा के दर्शन किए। उन्होंने नर्मदा उद्गम स्थल स्थित नर्मदा कुंड में विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। इसके पश्चात उन्होंने जलेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का पूजन किया और प्रदेश एवं प्रदेशवासियों के कल्याण की प्रार्थना की।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने नर्मदा कुंड एवं नर्मदा उद्गम स्थल के पवित्र परिसर में पूजा-अर्चना कर मां नर्मदा का आशीर्वाद लिया। श्रावण मास के अंतिम सोमवार को अमरकंटक में श्रद्धा और आस्था का विशेष वातावरण रहा। इस दौरान श्री शर्मा ने धार्मिक अनुष्ठानों के साथ जनकल्याण की भावना को सर्वोपरि रखते हुए प्रदेश की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की।

कांवड़ियों के बीच आत्मीयता से बिताया समय

अमरकंटक प्रवास के दौरान उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा कांवड़ियों के बीच भी पहुंचे। उन्होंने मृत्युंजय आश्रम में कांवड़ियों को भोजन प्रसादी वितरित की और उनके साथ बैठकर प्रसादी ग्रहण की। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं से आत्मीय बातचीत कर उनकी कांवड़ यात्रा, यात्रा मार्ग और उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। कांवड़ियों के साथ सहजता से संवाद करते हुए उन्होंने उनकी यात्रा के अनुभव भी सुने।

भोरमदेव-अमरकंटक कांवड़ यात्रा के लिए विशेष व्यवस्थाएं

उल्लेखनीय है कि अमरकंटक से भोरमदेव मंदिर तक लगभग 150 किलोमीटर की कांवड़ यात्रा को सुगम, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के लिए उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के निर्देश पर विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। यात्रा मार्ग पर कांवड़ियों की सुविधा के लिए स्वास्थ्य, सुरक्षा, भोजन और रात्रि विश्राम सहित आवश्यक इंतजाम किए गए हैं। कांवड़ियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए यात्रा मार्ग में चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। वहीं सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस अधिकारियों के साथ पुलिस पेट्रोलिंग दल भी तैनात किए गए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को यात्रा के दौरान किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

मृत्युंजय आश्रम में निःशुल्क भोजन व रात्रि विश्राम की व्यवस्था

अमरकंटक स्थित मृत्युंजय आश्रम में कांवड़ियों के लिए निःशुल्क भोजन एवं रात्रि विश्राम की व्यवस्था की गई है। यहां श्रद्धालुओं को दाल-भात, सब्जी के साथ खीर, पूरी और हलवा सहित भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे लंबी कांवड़ यात्रा पर निकले श्रद्धालुओं को विश्राम के साथ पौष्टिक भोजन की सुविधा मिल रही है। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि कांवड़ियों की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। सावन माह के इस पवित्र अवसर पर भोरमदेव से अमरकंटक तक श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ी कांवड़ यात्रा को सुगम बनाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, ताकि सभी भक्तजन श्रद्धा, उत्साह और सुरक्षित वातावरण में अपनी कांवड़ यात्रा पूरी कर सकें।

रामचरितमानस वेद, पुराण और शास्त्रों का सार : आचार्य डॉ. महेश चंद्र शर्मा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग जिला हिंदी साहित्य समिति द्वारा स्थानीय आईएमए भवन में तुलसी जयंती समारोहपूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आचार्य डॉ. महेश चंद्र शर्मा ने कहा कि रामचरितमानस वेद शास्त्रों का सार है। उन्होंने मानस में वर्णित मानवीय जीवन चरित्र की व्याख्या की।

समिति अध्यक्ष बलदाऊ राम साहू ने कहा कि मानस सिर्फ धर्मशास्त्र ही नहीं, शिक्षा, नीति, दर्शन और समाजशास्त्र भी है। यह जीवन जीना सिखाता है। आमंत्रित वक्ता त्रेता चंद्राकर ने तुलसी को लोक चिंतक संत बताया। मानस मर्मज्ञ लेखनी वर्मा ने कहा कि तुलसी ने राम-लक्ष्मण के चरित्र को साहित्य के नौ रसों से उकेरा है। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा गोस्वामी तुलसीदास के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुआ। प्रथम बौद्धिक सत्र का संचालन हाजी इसराइल बेग शाद ने किया। द्वितीय सत्र में काव्य गोष्ठी हुई, जिसकी अध्यक्षता गुलबीर भाटिया, राज नारायण श्रीवास्तव और शरद कोकास ने की। कवियों ने काव्य पाठ किया। समापन संयुक्त हनुमान चालीसा पाठ से हुआ।

महतारी वंदन की 30वीं किस्त से रक्षाबंधन की खुशियां होंगी दोगुनी

खैरागढ़। रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के स्नेह और विश्वास को मजबूत करने वाला पर्व है। इस बार संतोषी साहू के लिए यह पर्व आर्थिक आत्मविश्वास और पारिवारिक खुशियों के साथ आया है। महतारी वंदन योजना की 30वीं किस्त की राशि मिलने से उन्हें रक्षाबंधन की तैयारियों में सहूलियत मिली है। संतोषी साहू का कहना है कि योजना की राशि से वे अपने भाई के लिए राखी और त्योहार से जुड़ी आवश्यक सामग्री खरीदेंगी तथा परिवार के साथ उत्साहपूर्वक रक्षाबंधन मनाएंगी। संतोषी साहू बताती हैं कि रक्षाबंधन के दिन बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधकर उसके सुख, समृद्धि और दीर्घायु की कामना करती है। भाई-बहन के इस पवित्र रिश्ते में राखी के साथ मिठाई और पारिवारिक मिलन का भी विशेष महत्व है। ऐसे में महतारी वंदन योजना से प्राप्त सहायता राशि त्योहार की छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने में उनके लिए उपयोगी साबित हो रही है। उन्होंने बताया कि महतारी वंदन योजना की 30वीं किस्त मिलने से उन्हें खुशी हुई है। इस राशि का उपयोग वे अपनी जरूरत के अनुसार करेंगी और रक्षाबंधन के लिए भाई की पसंद की राखी खरीदेंगी।

साइबर अपराधियों से एक कदम आगे : पुलिस ने स्कूल-कॉलेजों में पहुंचाया सुरक्षा का संदेश

नई दृष्टिबिंदु / मोहला-मानपुर-चौकी

छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा 15 अगस्त से 2 अक्टूबर 2026 तक चलाए जा रहे "साइबर जागृति अभियान" के तहत मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी पुलिस ने पहले सप्ताह में 38 विद्यालय-महाविद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर 5,242 विद्यार्थियों को साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक किया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक वाय.पी. सिंह के निर्देशन और डीएसपी नेहा पवार के मार्गदर्शन में जिले के विभिन्न थाना-चौकी क्षेत्रों में ये कार्यक्रम आयोजित किए गए। पुलिस टीमों ने विद्यार्थियों को OTP, UPI PIN, CVV, पासवर्ड किसी अनजान व्यक्ति से साझा न करने, फर्जी कस्टमर केयर, बैंक अधिकारी बनकर की जाने वाली ठगी, KYC अपडेट, डिजिटल अरेस्ट, फर्जी लिंक, QR Code और ऑनलाइन पेमेंट के नाम पर होने वाली ठगी से सतर्क रहने की जानकारी दी।

विद्यार्थियों को सोशल मीडिया अकाउंट में मजबूत पासवर्ड और Two-Factor Authentication का उपयोग करने, अनजान फ्रेंड रिक्वेस्ट से बचने और निजी जानकारी सार्वजनिक न करने की सलाह दी गई। साथ ही भ्रामक वीडियो-मैसेज को बिना सत्यापन शेयर न करने की अपील की गई।

अभियान के तहत "साइबर सेल्फी अभियान" की भी जानकारी दी गई और साइबर ठगी होने पर तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज करने को कहा गया। पुलिस ने संदेश दिया - "एक जागरूक विद्यार्थी, एक जागरूक परिवार, एक जागरूक परिवार, एक सुरक्षित समाज।"

हादसा करीब 18 साल पुराने इस भवन की हालत लंबे समय से खराब थी

जर्जर पंचायत भवन की छत भरभराकर गिरी, मलबे में दबे सरकारी रिकॉर्ड

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के ग्राम पंचायत कुकुरमुड़ा में रविवार को बड़ा हादसा टल गया। वर्षों से जर्जर पंचायत भवन की छत अचानक भरभराकर गिर गई। जिस वक्त भवन ने जवाब दिया, उसी समय सरपंच और सचिव अंदर मौजूद थे। पहले भवन का एक हिस्सा गिरा। खतरे का अंदेशा होते ही दोनों तत्काल बाहर निकल आए। उनके बाहर निकलने के कुछ ही देर बाद पूरा भवन मलबे में तब्दील हो गया। गनीमत रही कि हादसे में किसी की जान नहीं गई।

बताया जा रहा है कि कुकुरमुड़ा का पंचायत भवन वर्ष 2008 में बनाया गया था। करीब 18 साल पुराने इस भवन की हालत लंबे समय से खराब थी। भवन की दीवारों और दूसरे हिस्सों में जर्जरता साफ दिखाई दे रही थी। ग्रामीणों और पंचायत प्रतिनिधियों की ओर से नए पंचायत भवन की मांग भी लंबे समय से की जा रही थी, लेकिन समय रहते ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी। रविवार को पंचायत का कामकाज सामान्य रूप से चल रहा था। इसी दौरान भवन का एक हिस्सा अचानक नीचे गिर गया। अंदर मौजूद सरपंच और सचिव को खतरे का अंदेशा हुआ तो वे तुरंत बाहर निकल आए। दोनों के बाहर आने के कुछ ही क्षण बाद पूरा भवन भरभराकर गिर पड़ा। अगर वे समय रहते बाहर नहीं निकलते तो बड़ा हादसा हो सकता था। भवन गिरने के बाद पंचायत में रखा महत्वपूर्ण सरकारी रिकॉर्ड और दस्तावेज मलबे में दब गए हैं। अब पंचायत के सामने सबसे बड़ी चुनौती मलबे से जरूरी फाइलों और दस्तावेजों को सुरक्षित निकालने की है। कितने रिकॉर्ड सुरक्षित हैं और कितने क्षतिग्रस्त हुए हैं, इसका पता मलबा हटाने के बाद ही चलेगा।

ग्रामीणों का कहना है कि भवन की जर्जर हालत लंबे समय से दिखाई दे रही थी। नए भवन की मांग के बावजूद पुराने भवन को समय रहते खाली कराने या नए भवन की व्यवस्था करने की दिशा में प्रभावी कदम नहीं उठाया गया। आखिरकार जर्जर इमारत ने जवाब दे दिया और देखते ही देखते पूरी बिल्डिंग मलबे में बदल गई। हादसे के बाद अब सवाल सरकारी भवनों की सुरक्षा व्यवस्था पर है। जब भवन की हालत पहले से जर्जर थी तो पंचायत का कामकाज वहां क्यों जारी रहा? क्या भवन की सुरक्षा को लेकर कभी तकनीकी जांच या निरीक्षण कराया गया था? और सबसे अहम, सरकारी रिकॉर्ड को सुरक्षित रखने की क्या व्यवस्था थी? फिलहाल राहत की बात यही है कि हादसे में किसी की जान नहीं गई। लेकिन कुकुरमुड़ा की घटना ने यह जरूर दिखा दिया कि जर्जर सरकारी भवनों को लेकर समय रहते फैसला नहीं लिया गया तो अगली बार नतीजा गंभीर हो सकता है। ग्रामीणों ने पंचायत के लिए जल्द नए भवन की व्यवस्था करने की मांग की है।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग में 111 उप अभियंताओं की नियुक्ति, 15 दिन में ज्वाइनिंग के निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने 111 उप अभियंताओं की नियुक्ति के आदेश जारी किए हैं। इसमें 101 सिविल और 10 विद्युत/यांत्रिकी अभियंता शामिल हैं। प्रमुख अभियंता कार्यालय ने नियुक्ति के साथ ही पदस्थापना आदेश भी जारी कर दिए हैं। चयनित अभ्यर्थियों को 15 दिनों के भीतर पदस्थापना कार्यालय में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित तिथि तक ज्वाइनिंग नहीं करने पर नियुक्ति स्वतः निरस्त मानी जाएगी।

व्यापम द्वारा अप्रैल-2025 में सिविल के 118 और विद्युत/यांत्रिकी के 10 पदों के लिए परीक्षा ली गई थी। परिणाम के बाद जुलाई-2025 में काउंसलिंग हुई, लेकिन सुप्रीम कोर्ट में याचिका के कारण प्रक्रिया रुकी रही। सुप्रीम कोर्ट द्वारा 20 अगस्त को याचिका के निराकरण के बाद 22 अगस्त को प्रथम चरण में 111 पदों पर आदेश जारी किए गए। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि युवा इंजीनियरों की नियुक्ति से विभागीय कार्यों, विशेषकर जल जीवन मिशन में गति आएगी। इनकी ऊर्जा और तकनीकी दक्षता का लाभ विभाग को मिलेगा।

छग में 31 IPS अफसरों के तबादले डीजी से AIG स्तर तक फेरबदल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में पुलिस प्रशासन में बड़े स्तर पर फेरबदल किया गया है। गृह विभाग ने रविवार देर रात भारतीय पुलिस सेवा के 31 अधिकारियों की तबादला सूची जारी की है। इसमें डीजी से लेकर एआईजी स्तर तक के अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां दी गई हैं। पुलिस मुख्यालय में भी महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं।

जारी आदेश के अनुसार IPS पवन देव को नगर सेना एवं अग्निशमन विभाग का महानिदेशक बनाया गया है। IPS जीपी सिंह को महानिदेशक प्रशिक्षण के साथ राज्य पुलिस अकादमी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह पद पुलिस अधिकारियों के प्रशिक्षण और क्षमता विकास के लिहाज से अहम माना जाता है। IPS एसआरपी कल्लूरी को छत्तीसगढ़ पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन का महानिदेशक नियुक्त किया गया है। उनके पास पुलिस विभाग से जुड़े निर्माण और अधोसंरचना कार्यों की जिम्मेदारी होगी।

तबादला सूची में डीजी, एडीजी, आईजी, डीआईजी और एआईजी स्तर के कई अधिकारियों के प्रभार बदले गए हैं। नई पदस्थापना के साथ अधिकारियों को अलग-अलग विभागों और जिलों की जिम्मेदारी दी गई है। गृह विभाग के इस आदेश के बाद पुलिस प्रशासन में कामकाज में बदलाव देखने को मिलेगा। जिसमें पवन देव, भापुसे (1992), अध्यक्ष एवं प्रबंध संचालक, छ.ग. पुलिस हाउसिंग कार्पोरेशन से महानिदेशक, नगरसेना एवं नागरिक सुरक्षा एवं अग्निशमन सेंवाऐं, छत्तीसगढ़, रायपुर, गुरजिन्दर पाल सिंह भापुसे (1994) महानिदेशक, पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर से महानिदेशक, प्रशिक्षण एवं महानिदेशक, राज्य पुलिस अकादमी, एसआर पी. कल्लूरी भापुसे (1994) अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, प्रशासन एवं चयन, पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर से प्रबंध संचालक, छ.ग. पुलिस हाउसिंग कार्पोरेशन, रायपुर, प्रदीप गुप्ता भापुसे (1995) अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, वित्त, योजना प्रबंध एवं तकनीकी सेवाएं (दूरसंचार / सीसीटीएनएस /सायबर शाखा / डायल-112), ट्रैफिक, रेलवे, पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर से अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, (प्रशासन एवं चयन), पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर एवं अतिरिक्त प्रभार संचालक, अभियोजन, विवेकानंद भापुसे (1996) अतिरिक्त पुलिस, महानिदेशक नक्सल ऑपरेशन / एस.आई. बी.एवं छसबल / एस.टी.एफ. पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर से वर्तमान कार्य के अतिरिक्त, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, वित्त, योजना एवं प्रबंध पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर स्थानांतरित किया गया है।

वहीं दीपांशु विजय काबरा भापुसे (1997) अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, अजाक एवं प्रशिक्षण, पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर से वर्तमान कार्य के अतिरिक्त, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, रेल एवं अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, यातायात, पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर, अमित कुमार भापुसे (1998) अतिरिक्त पुलिस महानिदेशके (गुप्तवार्ता), पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर से वर्तमान कार्य के अतिरिक्त अति. पुलिस महानिदेशक, एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर, डॉ. आनंद छाबड़ा भापुसे (2001) अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर से अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, तकनीकी सेवाएं, डॉयल 112 एवं दूरसंचार पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर और ओमप्रकाश पॉल भापुसे (2003) पुलिस महानिरीक्षक, नक्सल ऑपरेशन / एस.आई.बी. पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर से पुलिस महानिरीक्षक, कानून व्यवस्था / सुरक्षा पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर स्थानांतरित किया गया है।

इसके अलावा अंकित कुमार गर्ग भापुसे (2004) पुलिस महानिरीक्षक, एस.आई.बी. पुलिस मुख्यालय नवा रायपुर अतिरिक्त प्रभार- संचालक राज्य न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला, रायपुर से वर्तमान कार्य के साथ पुलिस महानिरीक्षक एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स एवं पुलिस महानिरीक्षक, SIA पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर, ध्रुव गुप्ता भापुसे (2005) पुलिस महानिरीक्षक, सी.आई.डी. पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर अति. प्रभार- CCTNS/SCRB तथ पुलिस महानिरीक्षक तकनीकी सेवाएं से पुलिस महानिरीक्षक (CID + CCTNS+ SCRB), पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर, बालाजीराव सोमावार भापुसे (2007) पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर से पुलिस महानिरीक्षक, अजाक पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर, प्रशांत कुमार अग्रवाल भापुसे (2008) पुलिस महानिरीक्षक, S4C पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर से पुलिस महानिरीक्षक, S4C एवं तकनीकी सेवाए, पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर और श्रीमती मिलना कुर्रे भापुसे (2008) उप पुलिस महानिरीक्षक (अजाक), पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर का अतिरिक्त प्रभार से पुलिस महानिरीक्षक, छसबल, पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर स्थानांतरित किया गया है।

श्रीमती पारूल माथुर भापुसे (2008) उप पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर से उप पुलिस महानिरीक्षक, एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स, पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर, मनीष शर्मा भापुसे (2009) उप पुलिस महानिरीक्षक प्रभार - वित्त एवं योजना पुलिस मुख्यालय, रायपुर से उप पुलिस महानिरीक्षक, प्रशासन एवं चयन, पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर, अभिषेक मीणा भापुसे (2010) उप पुलिस महानिरीक्षक (दूरसंचार), पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर से उप पुलिस महानिरीक्षक, छसबल, बस्तर, सदानंद कुमार भापुसे (2010) प्रभार-छसबल एवं प्रशिक्षण पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर से उप पुलिस महानिरीक्षक, छसबल पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर, गिरिजा शंकर जायसवाल भापुसे (2010) उप पुलिस महानिरीक्षक, S4C पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर से उप पुलिस महानिरीक्षक, S4C एवं तकनीकी सेवाए, पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर, एम.एल. कोटवानी भापुसे (2010) उप पुलिस महानिरीक्षक (सुरक्षा), विशेष शाखा, पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर से उप पुलिस महानिरीक्षक, गुप्तवार्ता, पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर, प्रशांत कुमार ठाकुर भापुसे (2011) उप पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर से उप पुलिस महानिरीक्षक, (CCTNS + SCRB), पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर, अजातशत्रु बहादुर सिंह, भापुसे (2011) पुलिस उप महानिरीक्षक, गुप्तवार्ता, विशेष शाखा, पलिस मख्यालय नवा रायपर से उप पुलिस महानिरीक्षक, नगर सेना, राज्य आपदा प्रबंधन बल एवं निदेशक अग्निशमन सेवाऐं स्थानांतरित किया गया है।

विवेक शुक्ला भापुसे (2012) ए.आई.जी., सी.आई.डी., पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर से उप पुलिस महानिरीक्षक, सुरक्षा, पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर, राजेश कुकरेजा भापुसे (2012) उप पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर से उप पुलिस महानिरीक्षक, वित्त, योजना एवं प्रबंध, पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर, श्रीमती श्वेता राजमणी भापुसे (2012) उप पुलिस महानिरीक्षक छसबल, जगदलपुर बस्तर से उप पुलिस महानिरीक्षक, दूरसंचार एवं डॉयल 112, पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर, रामकृष्ण साहू भापुसे (2012) उप पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर से उप पुलिस महानिरीक्षक, CID, पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर, मोहित गर्ग भापुसे (2013) सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर से सहायक पुलिस महानिरीक्षक, प्रशासन एवं चयन, पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर, रवि कुमार कुर्रे भापुसे (2014) सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर से सहायक पुलिस महानिरीक्षक, CID, पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर, यदुवली अक्षय कुमार, (भापुसे) (2018) सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर अति. प्रभार - अंतर्विभागीय लीड एजेंसी अंतर्गत संयुक्त परिवहन आयुक्त-सड़क सुरक्षा / सहा.पुलिस महानिरीक्षक से सहायक पुलिस महानिरीक्षक, CCTNS, पुलिस मुख्यालय एवं अति. प्रभार-अंतर्विभागीय लीड एजेंसी अंतर्गत संयुक्त परिवहन आयुक्त - सडक सुरक्षा / सहा. पुलिस महानिरीक्षक, चिराग जैन (भापुसे) (2020) अति. पुलिस अधीक्षक, मोहला-मानपुर-चौकी से सेनानी 18 वीं बटालियन, मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी और श्रीमती अंजली विश्वकर्मा (भापुसे) (2021) पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर से सहायक पुलिस महानिरीक्षक, यातायात, पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर स्थानांतरित किया गया है।

गांजा तस्करी में लगातार सक्रिय बदमाश पर PIT NDPS के तहत कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

मादक पदार्थों के अवैध कारोबार में लगातार संलिप्तता पर दुर्ग पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। थाना उतई के नामजद गुंडा बदमाश बनवाली अग्रवाल को ढक्ळ ठउ्ढर एक्ट के तहत 3 माह के लिए निरुद्ध कर केंद्रीय जेल दुर्ग में दाखिल किया गया है। पुलिस के अनुसार 50 वर्षीय बनवाली अग्रवाल निवासी हथखोज पारा उतई वर्ष 2010 से आपराधिक गतिविधियों में सक्रिय है। उसके खिलाफ NDPS एक्ट के तहत 4 प्रकरण दर्ज हैं - अपराध क्रमांक 173/2015, 108/2018, 282/2023 और 298/2025 ।2015 के मामले में उसे 3 साल की सजा भी हो चुकी है।

आयुक्त एवं निरुद्धकर्ता प्राधिकारी दुर्ग संभाग द्वारा प्रतिवेदन और अभिलेखों के परीक्षण के बाद धारा 3(1) के तहत निरोध आदेश 24 अगस्त को पारित किया गया। पुलिस अभिलेखों के अनुसार आरोपी जेल से छूटने के बाद भी गांजा की खरीद-बिक्री में सक्रिय रहा। थाना उतई पुलिस ने दस्तावेज संकलित कर प्रतिवेदन तैयार किया और आदेश का पालन करते हुए आरोपी को जेल भेजा।

लावारिस मिले नवजात को डायल-112 टीम ने पहुंचाया अस्पताल

रायपुर। मंदिर हसौद थाना क्षेत्र में लावारिस अवस्था में मिले 10 दिन के नवजात शिशु को डायल-112 टीम ने सुरक्षित अस्पताल पहुंचाकर मानवता की मिसाल पेश की। पुलिस के अनुसार रविवार सुबह 6:37 बजे सूचना मिली कि मोनेट रोड स्थित चिरकुतहीन माता मंदिर के पास एक नवजात लावारिस पड़ा है। सूचना मिलते ही डायल-112 टीम मौके पर पहुंची। वहां अज्ञात व्यक्ति द्वारा छोड़ा गया शिशु मिला। टीम ने तत्परता दिखाते हुए शिशु को अपने वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मंदिर हसौद पहुंचाया। जांच के बाद शिशु को शिशु वार्ड में भर्ती किया गया है, जहां उसकी देखभाल की जा रही है। इस कार्य में आरक्षक राजेश यादव और चालक टिकेंद्र साहू की सराहनीय भूमिका रही। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति की पहचान के लिए जांच शुरू कर दी है और संबंधित विभाग को सूचना दे दी है।

ईद मिलाद-उन-नबी को लेकर पुलिस-प्रशासन और मुस्लिम कमेटी की बैठक, जुलूस के लिए दिशा-निर्देश किए गए जारी

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-दुर्ग

आगामी ईद मिलाद-उन-नबी पर्व को लेकर दुर्ग पुलिस और प्रशासन ने रविवार को मुस्लिम कमेटी के साथ बैठक की। बैठक पुलिस कंट्रोल रूम सेक्टर-6 भिलाई में आयोजित की गई। बैठक में अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी वीरेंद्र सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर शोभराज अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात कौशलेंद्र देव पटेल, सीएसपी हर्षित मेहर, निशांत पाठक सहित अधिकारी मौजूद रहे।

अधिकारियों ने 26 अगस्त को निकलने वाले जुलूसों को निर्धारित मार्ग और समय पर संचालित करने और समय पर समाप्त करने की समझाइश दी। जुलूस के दौरान पर्याप्त संख्या में वॉलेंटियर रखने और उनकी सूची पर्व से पहले संबंधित थाने में जमा करने के निर्देश दिए गए।

यातायात बाधित न हो, इसके लिए जुलूस को सड़क की एक ओर से व्यवस्थित रूप से निकालने और छोटे बच्चों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने को कहा गया। बैठक में सेक्टर-6 जामा मस्जिद से मिर्जा आसिम बेग, गौसिया मस्जिद से नजरूल खान, हाउसिंग बोर्ड मस्जिद से मोहम्मद इफ्तिखार खान, जामा मस्जिद दुर्ग से शेख शकील सहित कई कमेटियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कमेटी ने शांतिपूर्ण और व्यवस्थित जुलूस निकालने का आश्वासन दिया।

गरियाबंद में 2 करोड़ का 400 किलो गांजा बरामद, 5 गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / गरियाबंद

गरियाबंद पुलिस ने अंतरराज्यीय गांजा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। ऑपरेशन निश्चय के तहत देवभोग थाना पुलिस ने 400 किलो गांजा जब्त कर पांच तस्करों को गिरफ्तार किया है। जब्त गांजे की कीमत करीब 2 करोड़ रुपये आंकी गई है।

पुलिस के मुताबिक 24 अगस्त की रात देवभोग थाना क्षेत्र के खुटगांव चेक पोस्ट NH-130C पर वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान ओडिशा की ओर से आ रहे नारंगी रंग के आयशर वाहन को रोककर तलाशी ली गई। वाहन की छत पर काले तिरपाल के नीचे संदिग्ध पैकेट मिले, जिनमें गांजा भरा था। पुलिस ने गांजा के साथ तस्करी में इस्तेमाल आयशर वाहन, मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन और 6.50 लाख रुपये नकद भी जब्त किए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी ओडिशा से गांजा लेकर छत्तीसगढ़ में प्रवेश कर रहे थे। पुलिस अब पूरे नेटवर्क की जानकारी जुटा रही है। गरियाबंद पुलिस ने कहा है कि नशे के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

सौजन्य मुलाकात

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

दिल्ली प्रवास के दौरान भाजपा युवा मोर्चा के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष हेमांग जोशी से भिलाई के युवा मोर्चा कार्यकर्ता प्रसम दत्ता ने आत्मीय मुलाकात की।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100